सुविचार
भारत एक प्राचीन देश,
लेकिन एक युवा राष्ट्र है।
-राजीव गांधी

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 22 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 126 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
Bhumi Pednekar's BTS Video From...

SHARE

संसेक्स	:	81,596.63
निफ्टी	:	24,813.45

SARAFA

सोना	:	9,110
चांदी	:	111.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

आज 4 बजे होगी हेमंत सोरेन कैबिनेट की बैठक

RANCHI : गुरुवार यानी आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। यह बैठक शाम 4 बजे से प्रोजेक्ट भवन स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी। इस महत्वपूर्ण मीटिंग में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने इस बैठक की जानकारी दी है। इससे पूर्व 15 मई 2025 को कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई थी। इस बैठक में कुल 17 प्रस्तावों पर मुहर लगी थी, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण उत्पाद मदिरा नीति को स्वीकृति मिली थी। इसके अलावा एनसीसी कैडेट्स का दैनिक भत्ता 150 से बढ़ाकर 210 रुपये प्रतिदिन किए जाने पर भी सहमति बनी थी।

वक्फ कानून पर लगातार दूसरे दिन हुई सुनवाई

NEW DELHI : बुधवार को वक्फ (संशोधन) कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो 'वक्फ बाय यूजर' के आधार पर ही क्यों न हो। एसजी मेहता के मुताबिक अगर कोई जमीन सरकारी है तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह उसे वापस ले ले, भले ही उसे वक्फ घोषित कर दिया गया हो। किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत का दरवाजा नहीं खटखटाया। किसी ने भी ये नहीं कहा कि संसद के पास इस कानून को पारित करने का अधिकार नहीं है। सॉलिसिटर जनरल ने तर्क दिया, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, इस पर कोई विवाद नहीं है, लेकिन वक्फ इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। जब तक यह साबित न हो जाए, बाकी तर्क विफल हो जाते हैं। वक्फ कानून के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच सुनवाई कर रही है।

प्रदर्शनकारियों ने पाक में गृहमंत्री का घर जलाया

NEW DELHI : पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया। प्रदर्शनकारियों ने घर की सुरक्षा में तैनात गार्ड्स को भी पीटा। रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के नौशेहरो फिरोज जिले में पुलिस और एक राष्ट्रवादी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी। इसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा दोनों तरफ के कई लोग भी घायल हो गए। पाकिस्तान सरकार की योजना सिंध नदी पर नहर बनाने की है। इससे स्थानीय लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि सरकार उनकी जमीन और पानी छीन रही है। जब प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके तनाव बढ़ गया। नाराज होकर लोगों ने सिंध के गृह मंत्री के घर हमला कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने कुछ ट्रकों को लूट लिया और उनमें से कुछ को आग लगा दी।

बीएसएफ ने नाकाम कर दी थी 50 आतंकियों की घुसपैठ

डीआईजी एसएस मंड बोले- महिला जवानों ने भी कुशलता से संभाला था मोर्चा

सिर्फ डेढ़ घंटे में तबाह कर दिए गए उनके कई बंकर, कमजोर कर दी गई ताकत

AGENCY NEW DELHI : ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स(बीएसएफ) के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में पाकिस्तान की बड़ी घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी थी। बीएसएफ के डीआईजी एसएस मंड ने बताया कि 8 मई को पाकिस्तान की ओर से 45-50 आतंकियों का एक बड़ा ग्रुप घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन, पहले से सतर्क बीएसएफ ने उन्हें समय रहते पकड़ लिया और भारी फायरिंग कर उन्हें पीछे खदेड़ दिया। डीआईजी ने कहा- हमने पहले से ही हालात का वॉर-गेम किया था। जब दुश्मन आगे बढ़ा, तो हमारे जवानों ने सटीक और भारी फायरिंग की। सिर्फ डेढ़ घंटे में हमने उनके कई बंकर तबाह कर दिए और उनकी ताकत कमजोर कर दी। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशनमें महिला जवानों ने भी बराबरी से भाग लिया।

भारत ने पाकिस्तान हाईकमीशन के अफसर को निकाला, 24 घंटे में देश छोड़ने को कहा

बुधवार को भारत ने पाकिस्तान हाई कमीशन के एक और अधिकारी को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया। यह 8 दिनों के भीतर दूसरी बार है जब भारत ने किसी पाकिस्तानी राजनयिक को देश से निकाला है। विदेश मंत्रालय ने बताया- भारत सरकार ने पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछनीय व्यक्ति घोषित किया है, क्योंकि वह अपने पद के अनुरूप काम नहीं कर रहा था। सूत्रों के मुताबिक, निष्कासित अफसर पर भारत के खिलाफ जासूसी जैसे गंभीर आरोप हैं। इससे पहले भी एक अन्य पाकिस्तान अधिकारी को भारत विरोधी गतिविधियों के चलते देश से निकाला जा चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मंच से भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान आज भी जिहादी आतंकवाद का केंद्र बना है।

पुंछ ब्रिगेड हेडक्वार्टर पहुंचे लेफ्टिनेंट गवर्नर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पुंछ ब्रिगेड हेडक्वॉर्टर पहुंचे। उन्होंने सेना और बीएसएफ के जवानों से मुलाकात की और उन्हें मिठाई खिलाई। एलजी सिन्हा ने एलान किया कि जिन परिवारों ने अपने सदस्य खोए हैं, उनके एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कई घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई प्रशासन कर रहा है। पुनर्वास के लिए एक पैकेज केंद्र सरकार द्वारा मंजूर किया जाएगा। इधर, कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को पहलगाम अटैक को लेकर सरकार से सवाल किए। जयराम ने पूछा कि, पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले टेररिस्ट कहां हैं।

अबूझमाड़ के बोटेर इलाके में हुए एनकाउंटर में बड़ी कामयाबी

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़, 27 नक्सली ढेर, एक डीआरजी जवान शहीद

AGENCY BIJAPUR : बुधवार की सुबह छत्तीसगढ़ के नारायणपुर, बीजापुर व दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत अबूझमाड़ के बोटेर इलाके में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने पोलित ब्यूरो के शीर्ष सदस्य डेढ़ करोड़ के इनामी नक्सली नंबाला केशव राव उर्फ बशव राजू सहित 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया। कई अन्य बड़े कैडर के नक्सलियों के मारे जाने या घायल होने की संभावना है। मुठभेड़ के दौरान डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड (डीआरजी) का एक जवान शहीद हुआ है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ स्थल से 27 नक्सलियों के शव के साथ अनेक हथियार बरामद होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान डीआरजी का एक जवान शहीद हुआ है। वहीं मुठभेड़ में कुछ अन्य जवान घायल हुए हैं। सभी घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई है। वे सभी खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में अब तक प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई नक्सली संगठन के विरूद्ध चले अभियानों में बस्तर रेंज के तहत कुल 141 नक्सलियों के शव बरामद करने के साथ ही अत्याधुनिक हथियारों में दो एलएमजी, चार एके-47- 04, एक एसएलआर, तीन इंसास, चार 303 रायफल और चार 9एमएम पिस्टल सहित बड़ी संख्या में अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद हुई हैं।

मारे गए नक्सलियों में डेढ़ करोड़ का इनामी नंबाला केशव राव उर्फ बशव राजू शामिल

- बड़े कैडर के कई अन्य नक्सलियों के मारे जाने या घायल होने की संभावना
- नारायणपुर, बीजापुर व दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्र में हुआ एनकाउंटर
- बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने की 27 नक्सलियों के शव बरामद होने की पुष्टि

संयुक्त दल नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना

नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के माड़ डिविजन में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर और डीआरजी कोंडागांव के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया।

एनआईए के भी दो मामलों में था वांटेड

बसवराज एनआईए के भी दो मामलों में वांटेड था। बसवराज के खिलाफ एनआईए 2012 और 2019 में दो एफआईआर दर्ज की थी। 2019 वाली घटना में 5 सुरक्षाकर्मियों को आईडी ब्लास्ट के जरिए मारने का आरोप था।

दावा- 2026 तक खत्म हो जाएगा नक्सलवाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। उन्होंने एक डेडलाइन जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

शराब घोटाला : विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को फिर कोर्ट में किया गया पेश

जांच के लिए उत्पाद भवन पहुंची एसीबी की टीम

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को शराब घोटाले की जांच के लिए एसीबी की टीम उत्पाद भवन पहुंची। कई लोगों से पूछताछ की। इस मामले में जानकारी के लिए एसीबी की टीम कई तथ्य जुटा रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है। एसीबी की टीम ने शराब घोटाले में वित्तीय जानकारी लेने के उद्देश्य से फाइनेंस ऑफिसर से जानकारी ली है। विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को बुधवार को एसीबी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। जज ने दोनों को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विनय चौबे की गिरफ्तारी के बाद उनके अधिवक्ता देवेश अजमानी ने बिना आधार बताए उनके मुवक्किल को गिरफ्तार करने पर आपत्ति याचिका दाखिल की है।

लोगों से की पूछताछ, फाइनेंस ऑफिसर से ली गई कई प्रकार की वित्तीय जानकारी

- व्यापक जानकारी के लिए इस मामले में कई तथ्य जुटा रही जांच एजेंसी की टीम
- विनय चौबे की गिरफ्तारी के खिलाफ उनके वकील ने दाखिल की है आपत्ति याचिका

नहीं बताया गया गिरफ्तारी का आधार

झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता देवेश आजमानी ने बताया कि विनय चौबे को पूछताछ के बाद बिना गिरफ्तारी का आधार बताए हिरासत में लिया गया है। इस संबंध में आपत्ति याचिका दाखिल की गई है। बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार गिरफ्तारी का आधार नहीं बताया गया। यह भी नहीं बताया गया कि विनय चौबे को किस आरोप में गिरफ्तार किया जा रहा है।

पहले ही तैयार कर ली गई थी घोटाले की पृष्ठभूमि

नई उत्पाद नीति के सहारे शराब घोटाले का अंजाम देने की पृष्ठभूमि पहले ही तैयार कर ली गयी थी। इस बात की पुष्टि के लिए दो महत्वपूर्ण कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण नियम में छूट देकर छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) को कंसल्टेंट बनाना और दूसरा कारण किसी भी गड़बड़ी के लिए शराब दुकानों में काम करने वाले कर्मचारियों को ही दंडित करने का नियम बनाना है। राज्य में लागू वित्तीय नियमावली में सलाहकार की नियुक्ति टेंडर के सहारे करने का प्रावधान है।

इजरायल ने गाजा पर की बमबारी, 42 मरे

RANCHI : बुधवार को इजरायल की सेना द्वारा गाजा पर की गई बमबारी में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई। इजरायल ने इस क्षेत्र में भयावह युद्ध को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) और यूरोपीय संघ की चिंता को खारिज कर दिय। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि 14,000 बच्चे (शिशु) भूख से बेहाल हैं। अगर 48 घंटों के भीतर इनको खाद्य सामग्री नहीं मिल पाई तो इनकी जान का खतरा है। अल जजीरा न्यूज की खबर में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इजरायली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी है। कुछ सहायता सामग्री लेकर ट्रक क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 53,573 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 121,688 घायल हुए हैं। सरकारी मीडिया ने मृतकों की संख्या 61,700 से अधिक बताई है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोगों को बंदी बना लिया गया।

- संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 14 हजार बच्चे भूख से बेहाल
- इजरायली प्रतिबंधों के कारण गाजा में कोई सहायता वितरित नहीं की जा सकी

दुर्गा सोरेन ने झामुमो का किया नेतृत्व, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात : हेमंत

पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री, कल्पना सोरेन और महुआ माजी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार का दिन हमारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए महत्वपूर्ण दिन है। हम लोगों के लिए गर्व एवं सौभाग्य की बात है कि दुर्गा सोरेन जैसे जुझारू, कर्मठ और झारखंड के प्रति समर्पित कार्यकर्ता ने हमारी पार्टी का नेतृत्व किया। यह बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झामुमो नेता और अपने बड़े भाई स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर नामकुम के लोवाडीह स्थित दुर्गा सोरेन चौक पर आयोजित कार्यक्रम में कहीं। इससे पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी सह विधायक कल्पना सोरेन,राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पार्टी के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य, बिनोद पांडेय सहित अन्य लोगों ने दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर पार्टी की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पत्नी सह भाजपा नेता सीता सोरेन नहीं पहुंचीं। श्रद्धांजलि देने के बाद हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि झारखंड राज्य आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी, झामुमो के स्तंभ और मेरे अभिभावक आदरणीय दादा दुर्गा सोरेन जी की पुण्यतिथि पर शत-शत नमन। अपने संदेश में हेमंत सोरेन ने स्व. दुर्गा सोरेन अमर रहें और जय झारखंड के नारे के साथ उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

- नामकुम के लोवाडीह स्थित दुर्गा सोरेन चौक पर हुआ कार्यक्रम, नहीं पहुंचीं भाजपा नेता सीता सोरेन
- सीएम बोले- आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी व मेरे अभिभावक आदरणीय दादा को शत-शत नमन
- दुर्गा सोरेन अमर रहें और जय झारखंड के नारे के साथ अर्पित की गई पुष्पांजलि

मुख्यमंत्री के जाने के बाद उलझे कार्यकर्ता

कार्यक्रम के दौरान एक महिला अपनी फरियाद लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास पहुंची। महिला ने मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने तत्काल उपस्थित अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में माल्यार्पण के बाद मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों के जाने के बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के लिए कार्यकर्ता आपस में उलझ गये। एक कार्यकर्ता प्रतिमा स्थल पर जूता पहनकर माल्यार्पण करने पहुंच गया। दूसरे कार्यकर्ता ने उसे जूते उतारने को कहा। इसी बात पर दोनों उलझ गए। उपस्थित लोगों ने दोनों को समझाकर शांत कराया।

न्यू फोकस व्यापक छानबीन के बाद हर माह जारी किया जाएगा विस्तृत डाटा

रोजगार के मुद्दे पर अब जाकर खड़े हो गए मोदी सरकार के कान

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : अपने तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी ने काम करने की शैली और उपलब्धियों को लेकर विजन में परिवर्तन किया है। दो कार्यकालों में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवाल पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। देश के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम कई अवसरों पर सरकार को नो डाटा गवर्नमेंट कहकर तंज कस चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे ने भी मतदाताओं को प्रभावित किया, इसलिए अब मोदी सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। अब जाकर इसके प्रति सरकार के कान खड़े हो गए हैं। सरकार ने यह फैसला किया है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत आने वाला राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) अब हर महीने रोजगार और बेरोजगारी से जुड़ा डाटा जारी करेगा। यह डाटा आवधिक श्रम बल (पीएलएफएस) के रूप में भी आएगा। इस क्रम में पहली रिपोर्ट अप्रैल 2025 के आंकड़ों पर आधारित होगी, जिसे इसी महीने जारी किया जाएगा।

तेजी से जुटाए जाएंगे श्रम बाजार के आंकड़े, नियमित रूप से जारी करने का सिस्टम तैयार

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संयुक्त आंकड़ों की रिपोर्ट अलग-अलग की जाएगी जारी

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय रिलीज करेगा रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े
- अप्रैल माह के तैयार हो चुके हैं सारे आंकड़े, इसी माह किए जाएंगे जारी
- अप्रैल-जून 2025 की तिमाही रिपोर्ट भी अगस्त 2025 में की जाएगी जारी

2017 में हुई थी पीएलएफएस की शुरुआत

सामान्य स्थिति स्थिति का मतलब है- सर्वे से पहले के 365 दिनों का आकलन, जबकि वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) पिछले 7 दिनों पर आधारित होता है। पीएलएफएस की शुरूआत 2017 में हुई थी, ताकि शहरी क्षेत्रों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति के आधार पर तिमाही और ग्रामीण व शहरी दोनों के लिए सालाना रोजगार आंकड़े जुटाए जा सकें।

मकसद को बनाया गया है व्यापक

मंत्रालय ने कहा कि एनएसओ का मकसद इन सर्वेक्षणों की गहराई, प्रासंगिकता और कवरेज को बढ़ाना है। अब से देशभर के लिए पीएलएफएस के मुख्य रोजगार और बेरोजगारी से जुड़े आंकड़े हर महीने सामने आएंगे। इस मकसद को ध्यान में रखते हुए जनवरी 2025 से पीएलएफएस का सैंपल प्रारूप भी बदला गया है, ताकि श्रम बाजार के आंकड़े तेजी से और ज्यादा सटीकता से जुटाए जा सकें। अब पीएलएफएस हर महीने पूरे देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों के लिए श्रम भागीदारी दर, कार्यरत जनसंख्या अनुपात, बेरोजगारी दर की मौजूदा साप्ताहिक स्थिति जैसे प्रमुख सूचकांक के आधार पर प्रकाशित करेगा। इसके अलावा, पीएलएफएस अब ग्रामीण क्षेत्रों के तिमाही आंकड़ों को भी कवर करेगा और इससे प्रमुख राज्यों और पूरे देश के लिए तिमाही आंकड़े उपलब्ध होंगे।

कई मध्यवर्ती राज्यों में शुरू हो गई है प्री मानसून की वर्षा

समय से पहले झारखंड में भी हो सकती है मानसून की एंट्री

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भी इस बार समय से पहले मानसून की एंट्री हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से इस प्रकार की संभावना जताई गई है। बताया गया है कि झारखंड में सामान्य रूप से मानसून 15 जून के बाद आता है, लेकिन इस बार 10 से 12 जून के बीच के आने की संभावना है। बुधवार को मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि इसकी वजह इस वर्ष केरल में मानसून आने को लेकर बनीं परिस्थितियां हैं। उन्होंने बताया कि इस बार केरल में मॉनसून के दस्तक देने की परिस्थितियां पॉजिटिव बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि केरल में इस बार मॉनसून 25-27 मई तक पहुंचने की उम्मीद है। अभिषेक आंनद के अनुसार, इस बार झारखंड सहित कई मध्यवर्ती राज्यों में प्री मानसून की बारिश भी समय से पूर्व हो रही है।

- 10 से 12 जून के बीच मानसून की बारिश होने की आईएमडी ने जताई संभावना
- पिछले साल 21 जून को मानसून ने दी थी दस्तक

BRIEF NEWS

सिदगोड़ा में चेन स्नैचिंग करने वाला आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा इलाके में टाटा स्टील के सुरक्षा अधिकारी सुजीत झा की पत्नी संजना झा से हुई चेन छिनतई की वारदात में पुलिस ने आजादनगर निवासी युवक विशाल सिंह उर्फ नाडू को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान मिले सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने विशाल की पहचान की और उसे दबोचा। गिरफ्तार युवक विशाल सिंह ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसी ने अपने साथी के साथ मिलकर संजना झा के गले से चेन छीनी थी। फिलहाल पुलिस विशाल की निशानदेही पर उसके फरार साथी की तलाश कर रही है।

यूसिल के सीएमडी होंगे डॉ. कंचन आनंद राव

JADUGODA : यूसिल (यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के स्थायी अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक

का पद 14 माह से रिक्त था। इस पद पर डॉ. कंचन आनंद राव आसीन होंगे। डॉ. आनंद राव हैदराबाद स्थित भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। उनके नाम की घोषणा परमाणु ऊर्जा आयोग की ओर से की गई है। फिलहाल सीएमडी के प्रभार में डॉ. संतोष कुमार सत्पथी हैं। इन्हें मार्च 2024 में अस्थायी तौर पर सीएमडी की जिम्मेदारी दी गई थी।

माराफारी में किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म एक हिरासत में

BOKARO : माराफारी थाना क्षेत्र में एक किशोरी के साथ चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर माराफारी थाना की पुलिस ने दुष्कर्म करने व इस घटना में सहयोग देने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। माराफारी थाना प्रभारी आजाद खान ने बताया कि किशोरी अपने दोस्त के बुलाने पर उसके घर गई थी। दोनों बैठकर कमरे में बात कर रहे थे। यहीं किशोरी के दोस्त के आसपास रहने वाले चार युवक आ गए। सभी ने किशोरी व उसके युवक दोस्त को पकड़ कर पीटा।

समय पर छात्रवृत्ति भुगतान करना सुनिश्चित करें : लोकेश मिश्रा

KHUNTI : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण योजना, कब्रिस्तान-सरना-मसना घेराबंदी, आदि आदर्श ग्राम विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, पशुधन योजना, पीएम जन धन योजना समेत अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

अखंड सुहाग का प्रतीक वट सावित्री व्रत 26 को, अगले दिन होगी शनि जयंती

PHOTON NEWS CHATRA : आमतौर पर वट सावित्री व्रत और शनि जयंती एक ही दिन ज्येष्ठ महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। लेकिन इस बार वट सावित्री व्रत और शनि जयंती अलग-अलग दिन मनाये जाएंगे। अखंड सुहाग का प्रतीक वट सावित्री व्रत इस वर्ष 26 मई को मनाई जाएगी। हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को वट सावित्री व्रत का विशेष पर्व मनाया जाता है। यह व्रत सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति की कामना के लिए रखा जाता है।

जन्मकुंडली, वास्तु और कर्मकाण्ड परामर्श के विशेषज्ञ आचार्य पंडित चेतन पाण्डेय ने बताया कि ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि 26 मई को दिन में 10: 54 मिनट से प्रारंभ होगा । यह अगले दिन 27 मई दिन मंगलवार को सुबह 8:30 बजे तक रहेगा। मध्याह्न वापिणी और प्रदोष कालीन अमावस्या 26 मई दिन सोमवार को भोग कर रहा है।

ऐसे में वट सावित्री का व्रत 26 म?ई दिन सोमवार को ही मनाये जाएंगे। जबकि शनि जयंती 27 मई को उदया कालीन अमावस्या तिथि में बनेगा। वट सावित्री व्रत के दिन महिलाएं वटवृक्ष की पूजा करती है और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनाती हैं। मान्यता है कि सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और भक्ति के बल पर अपने मृत पति सत्यवान को यमराज से पुनर्जीवित कर लिया था। तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य का प्रतीक बन गया है। इस दिन वट सावित्री की पूजा और वटवृक्ष की परिक्रमा सुबह से ही प्रारंभ हो जाएगी। वट सावित्री व्रत के दिन इस बार ग्रह-नक्षत्रों के कई शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन भरणी नक्षत्र प्रातः काल 7:14 बजे तक भोग करेगा उसके बाद कृतिका नक्षत्र प्रवेश करेगा। जबकि इस दिन शोभन और अतिगण्ड नाम का योग भोग कर रहे हैं। वहीं इस समय सूर्य वृष राशि में गोचर कर रहे हैं जबकि चंद्रमा भी इस दिन दोपहर में 12:51 के बाद वृष राशि में ही प्रवेश करेंगे। ऐसे में यह योग महिलाओं के लिए बहुत लाभप्रद होगा। व्रत के दिन कई महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं। कुछ महिलाएं फलाहार का विकल्प भी चुनती हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि उपवास के दौरान क्या खाया जा सकता है ताकि शरीर को आवश्यक ऊर्जा मिलती रहे और व्रत भी पूर्ण श्रद्धा से निभाया जा सके। आचार्य ने बताया कि फलाहार के रूप में महिलाएं सेब, केला, आम और अंगूर का सेवन कर सकती हैं। ये फल शरीर को आवश्यक ऊर्जा प्रदान करते हैं और दिन भर के उपवास में थकावट से बचाते हैं। व्रत के दौरान नारियल पानी पीना भी लाभकारी होता है। यह शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता और गर्मी के मौसम में ठंडक भी प्रदान करता है।

व्रत की कथा सुनें और वट वृक्ष की करें परिक्रमा

व्रत करते समय महिलाओं को नियमों और श्रद्धा का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा के लिए समय साफ-सुथरे वस्त्र पहनें। 16 श्रृंगार अनिवार्य रूप से करें। व्रत कथा सुनें और वट वृक्ष की परिक्रमा करें। वट सावित्री व्रत न सिर्फ एक धार्मिक परंपरा है, बल्कि यह प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक भी है। सही नियमों और श्रद्धा के साथ किया गया यह व्रत वैवाहिक जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देता है।

मछली पकड़ने गए थे पति-पत्नी, एक चट्टान के नीचे छिपे थे सभी

गुमला में ठनका गिरने से दंपती की मौत, हादसे में तीन घायल

PHOTON NEWS GUMLA : गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र के सोंगरा गांव में ठनका गिरने से एक दंपती की मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हो गए। सोंगरा गांव निवासी हरखमईन झोरा (32) अपनी पत्नी सुको देवी के साथ कोईल नदी में मछली पकड़ने गए थे। उनके साथ बंधन देवी, महावीर झोरा और 12 वर्षीय शिवम झोरा भी थे। देर शाम को अचानक बारिश शुरू हो गई।

बारिश से बचने के लिए सभी एक चट्टान के नीचे छिप गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरी और हरखमईन व सुको की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य तीन लोग घायल हो गए। ग्रामीण सभी को सिसई रेफरल अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने दंपती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। घायल बंधन देवी, महावीर झोरा और शिवम झोरा का सिसई में इलाज चल रहा है। मृतक दंपती के तीन छोटे बच्चे हैं, जो अब अनाथ हो गए हैं। परिवार की आजीविका का मुख्य स्त्रोत मछली पकड़ना था। माता-पिता की मौत के बाद बच्चों के सामने जीवन यापन की चुनौती खड़ी हो गई है।

गुमला में घायल पड़े अनाथ बच्चे

गढ़वा में वज्रपात से 5 घायल, एक गंभीर

GARHWA : गढ़वा जिले के गढ़वा सदर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में बुधवार की दोपहर में बारिश के साथ वज्रपात ने हड़कंप मचा दिया। वज्रपात की घटना में चार मासूम बच्चियां एवं एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कल्याणपुर गांव निवासी अंतू विश्वकर्मा की पुत्री सात वर्षीय सुमन कुमारी, सुनील विश्वकर्मा की पुत्री छह वर्षीय रूपा कुमारी, 10 वर्षीय रेणु कुमारी, 12 वर्षीय रूबी कुमारी एवं पलामू जिले के पांडू निवासी दिनेश मेहता का आठ वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के नाम शामिल हैं। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें रेणु कुमारी की हालत स्थिर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव से लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक पुराने पीपल के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। मौसम में अचानक बदलाव हुआ और तेज बारिश के साथ जोरदार गरज-चमक शुरू हो गई। इस दौरान अचानक उस पेड़ के आसपास में ही वज्रपात हुआ, जिसके चपेट में आकर पांचों बच्चे घायल हो गए। घटनास्थल के आसपास के लोगों ने पांचों बच्चों को बेहोशी हालत में वहां से उठाया और उनके स्वजनों को सूचना दी। इसके बाद घायलों को सदर अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। चिकित्सक के अनुसार के अनुसार सभी बच्चों को प्राथमिक उपचार किया गया है। लेकिन उनमें रेणु कुमारी की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उसे विशेष निगरानी में रखा गया है। इधर, इस घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायल बच्चों का हालचाल लिया। इस घटना को लेकर घायल बच्चों के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस घटना से आहत हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता एवं घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए।

पीपल पेड़ के नीचे खेल रही थीं बच्चियां

सभी बच्चियां गांव से लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक पुराने पीपल पेड़ के नीचे खेल रही थीं। मौसम में अचानक बदलाव हुआ और तेज बारिश के साथ जोरदार गरज-चमक शुरू हो गई। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने की घटना घटी, जिसकी चपेट में ये चारों बच्चियां और एक बालक आ गया।

बारिश में पेड़ के नीचे खड़े नहीं रहें : विशेषज्ञ

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस दल भी अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध और भयभीत हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और बेहतर इलाज की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित की जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के दौरान खुले स्थानों, विशेषकर पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए।

हेमंत सरकार में आदिवासी महिलाएं भी असुरक्षित : रघुवर

दुष्कर्म के आरोपी की मौत पर सरकार से मुआवजा मिलने पर भड़के पूर्व मुख्यमंत्री, सरकार पर भेदभाव का लगाया आरोप

PHOTON NEWS BERMO : पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र में एक आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने पर ग्रामीणों की पिटाई के बाद आरोपी मुस्लिम युवक की मौत हो जाने के मामले में बुधवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास आदिवासी महिला के घर कडरुखुंटा पहुंचे। इसके बाद बोकारो थर्मल स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने मंत्री इरफान अंसारी द्वारा मृतक आरोपी के परिजनों को मुआवजा व नौकरी देने की घोषणा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिला के स्नान करने के दौरान अब्दुल कलाम नामक युवक द्वारा दुष्कर्म का प्रयास किया गया और ग्रामीणों की मारपीट से आरोपी की मौत हो गई। मारपीट नाम, धर्म आदि पूछकर नहीं की गई, बल्कि अस्मत लूटने वाले के साथ की गई। यह मॉबलिंचिंग के दायरे में नहीं आ सकता। हेमंत सरकार व स्थानीय पुलिस प्रशासन एक पक्षीय कार्रवाई कर आदिवासी समुदाय को डरा रही है। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी आरोपी के परिवार से मिले और हमदर्दी दिखाई, लेकिन पीड़ित आदिवासी महिला से मिलना तक मुनासिब नहीं समझा। महिला को न्याय दिलाने के लिए भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आवाज बुलंद करेगी। विडंबना है कि राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी हैं और यहां की आदिवासी महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से लोग भयभीत हैं। यहां रघुवर दास ने पीड़िता को 50 हजार रुपये नकद देकर आर्थिक मदद की। रघुवर दास ने कहा कि यह सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है, यही कारण है कि अधिकारी जेल जा रहे हैं। पीड़िता ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास को बताया कि मामले में स्थानीय पुलिस उसे न्याय देने की बजाय राजनीतिक दबाव में घटना को मॉब लिंचिंग बताकर उनके समुदाय के लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज रही है।

जमशेदपुर में आर्म्स पेडलर गिरफ्तार मुंगेर से लाकर बेचता था अवैध हथियार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जुगसलाई से एक आर्म्स पेडलर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान खालिक के रूप में हुई है, जो गरीब नवाज कॉलोनी, ईदगाह मैदान के पास का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, खालिक बिहार के मुंगेर से अवैध हथियार लाकर जमशेदपुर में सप्लाई करता था। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बुधवार को एसएसपी ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खालिक मूल रूप से बिहार के दरभंगा जिले के हायाघाट थाना क्षेत्र के बांसडीह गांव का निवासी है। वह जुगसलाई के चूनाशाह

कॉलोनी में रहने वाले मोहम्मद समर और अफरोज के साथ मिलकर इस हथियार तस्करी के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए समर के घर से निकलते समय खालिक को पीले रंग के झोले के साथ धर दबोचा। झोले की तलाशी में एक सिल्वर रंग की चमचमाती पिस्तौल, एक मैगजीन, तीन कारतूस के हिस्से, एक खोखा, छह बड़ी कांटी, छह एक्सट्रैक्टर के टूटे हिस्से, पिस्टल के छोटे-बड़े पार्ट्स, दो हथौड़ी, दो चाकू, एक टूथब्रश, छह छोटी-बड़ी कांटी, 11 पीस आरी ब्लेड, एक हैंडल लगी ब्लेड, चार छेनी, एक छोटा पाना या रिंच, पांच रेती और मरम्मत के उपकरण बरामद किए गए। पुलिस ने खालिक को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

झारखंड पर्यटन के ग्रेड-सी में सूचीबद्ध हुआ महादेवशाल मंदिर

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत गोईलकेरा प्रखंड स्थित महादेवशाल मंदिर झारखंड पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के ग्रेड-सी में सूचीबद्ध हो गया है। इसे लेकर उपायुक्त कुलदीप चौधरी बुधवार को महादेवशाल मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद डीसी ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, पोड़ाहाट-चक्रधरपुर की अनुमंडल पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, जिला पर्यटन विभाग की नोडल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की भी उपस्थित थीं।

मुठभेड़ में गोली लगने से जख्मी टीएसपीसी सब-जोनल कमांडर वाराणसी से गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल हुए उग्रवादी संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमिटी) के सब जोनल कमांडर गौतम यादव को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ के दौरान उसके पेट में गोली लगी थी। गौतम अपना नाम बदलकर इलाज करवा रहा था। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने इसकी पुष्टि करते हुए बुधवार को बताया कि सूचना मिलने के बाद पलामू पुलिस वाराणसी गई और गौतम को गिरफ्तार किया गया है। गौतम यादव नाम बदलकर इलाज करवा रहा था। गौतम बिहार के इमामगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

पलामू पुलिस को सूचना मिली कि गौतम यादव उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अपना नाम बदलकर इलाज करवा रहा है। सूचना पर एएसपी (अभियान) राकेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले का सत्यापन किया। पुष्टि हो जाने पर गौतम यादव को गिरफ्तार किया गया। उसे वाराणसी की कोर्ट में पेश किया गया। गौतम यादव का पुलिस कस्टडी में ही इलाज किया जाएगा। हालत में सुधार होने के बाद मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 15 मई को पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के होटवाग में पुलिस और टीएसपीसी के 10 लाख के इनामी शशिकांत के दस्ते के उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

बंगाल की तर्ज पर शिक्षा व्यवस्था में होगा बदलाव, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया एलान

झारखंड में 100 स्कूलों पर बनाई जाएगी एक सेंट्रल किचन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने बुधवार को जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित सेंट्रल किचन का औचक निरीक्षण किया। यह वही सेंट्रल किचन है, जहां से शहर के कई स्कूलों में मिड डे मील भेजा जाता है। शिक्षा मंत्री ने रसोई में बन रहे भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई का जायजा लिया। उनका यह दौरा खास तौर पर इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि कुछ ही दिनों पहले चाईबासा में मिड डे मील खाने के बाद एक दर्जन से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए थे।

सेंट्रल किचन के निरीक्षण के दौरान शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन

राज्य के शिक्षा विभाग की टीम ने किया था पश्चिम बंगाल की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन

सेंट्रल किचन के प्रबंधकों से वार्ता करते शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन • फोटोन न्यूज

ने बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक 100 स्कूल पर एक सेंट्रल किचन बनाया जाए, ताकि बच्चों को पौष्टिक और सुरक्षित भोजन मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन स्कूलों में अभी मिड डे मील बनाया जाता है, वहां के रसोइयों की नौकरी नहीं जाएगी। उन्हें वेतन भी मिलेगा, लेकिन उनका कार्य बदल कर सिर्फ सेंट्रल किचन से आया भोजन बच्चों तक पहुंचाने का होगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार अब सेंट्रल किचन के संचालन नियमों में बदलाव करने जा रही है, ताकि बच्चों को कुपोषण से बचाया जा सके और उन्हें गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विद्यार्थियों को हर हाल में पौष्टिक आहार मिले।

रामदास सोरेन ने यह भी जानकारी दी कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों की एक टीम को हाल ही में पश्चिम बंगाल भेजा गया था। इस टीम ने वहां की शिक्षा व्यवस्था का गहन अध्ययन किया है, खासतौर पर यह कि वहां किस प्रकार बच्चों को पाठ्य पुस्तकें और अन्य शैक्षणिक संसाधन मुहैया कराए जाते हैं। इस दौरे के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट के आधार पर झारखंड की शिक्षा व्यवस्था में जल्द ही व्यापक बदलाव किए जाएंगे, ताकि इसका सीधा लाभ राज्य के गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को मिल सके।

अस्पताल में गंदगी देख भड़के जिप सदस्य, बीपीएम को लगाई फटकार

PALAMU : जिले के हैदरनगर के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को आयोजित जन आरोग्य समिति की बैठक उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब जिप सदस्य सह समिति अध्यक्ष संगीता देवी ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। शौचालय में गंदगी और प्रसव कक्ष में खून के धब्बे देख वह भड़क उठीं और प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीएम) विभूति कुमार को जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के बाद आयोजित बैठक में आय-व्यय पंजी के अवलोकन के दौरान प्रति पंजी एक हजार रुपये के खर्च को लेकर संदेह जताया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय आपूर्ति के बावजूद सामग्री बाजार से खरीदी गई, जिसका संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर तीन पंजियों को फाड़ दिया गया तथा सात पंजियों को जब्त कर लिया गया।

पूर्वी सिंहभूम के डीसी अनन्य मित्तल की बनाई गई फेक फेसबुक आईडी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल के नाम से किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेसबुक पर फेक आईडी बनाई है। जिला प्रशासन ने कहा कि इस तरह की घटनाएं साइबर अपराध की श्रेणी में आती हैं और आमजन को भ्रमित करने के उद्देश्य से की जाती हैं। हालांकि, आईडी में अनन्या मित्तल लिखा है, फिर भी कोई डीसी की फोटो देखकर भ्रमित हो सकता है।

जिला प्रशासन इस प्रकार की गतिविधियों से नागरिकों को सतर्क कर रहा है। यदि संदिग्ध फेसबुक आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट या असामान्य संदेश प्राप्त होता है, तो कृपया उस आईडी को तुरंत रिपोर्ट करें और ब्लॉक करें। इसकी सूचना साइबर सेल, जमशेदपुर अथवा जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय को तत्काल दें। ऐसी किसी भी गतिविधि से सावधान रहें और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले पुष्टि अवश्य करें। इसकी जांच की जा रही है।

BRIEF NEWS

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में टॉपरों को किया गया सम्मानित

RANCHI : बुधवार कै एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। 60% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को विशेष सम्मान मिला। 10वीं के टॉपर सुकून शौर्य और 12वीं विज्ञान संकाय की टॉपर अभिज्ञ कुमार को लैपटॉप भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं, 90% से अधिक अंक लाने वाले अभिषेक कुमार, आयुष रंजन, ऋषभ राज, प्राची सिंह, सवर कुमार और उज्जवल पोद्दार को टैब उपहार में दिए गए। समारोह के दौरान स्कूल के नए प्रशासनिक विंग का उद्घाटन भी हुआ। इस अवसर पर प्रिंसिपल शादान आलम, निदेशक कुणाल कश्यप और सचिव अनुज हेंब्रम ने छात्रों और शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए इसे उनके समर्पण और मेहनत का परिणाम बताया। समारोह का माहौल गर्व और उत्साह से भरा रहा।

'डीजीपी अनुराग गुप्ता की वेतन पर्ची 30 अप्रैल तक'

RANCHI : राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की वेतन पर्ची (पे स्लीप) 30 अप्रैल 2025 तक के लिए ही निर्गत है। महालेखाकार ने बाबूलाल मरांडी को इससे संबंधित लिखित सूचना दी है। बाबूलाल मरांडी ने महालेखाकार को एक पत्र लिख कर यह जानना चाहा था कि आइपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता को सेवा विस्तार दिया गया है या नहीं? महालेखाकार कार्यालय के उप-महालेखाकार ने बाबूलाल द्वारा पूछे गये सवाल के लिखित जवाब उन्हें भेजा है। इसमें कहा गया है कि कार्यालय में उपलब्ध फाइल के अनुसार, अनुराग गुप्ता की सेवानिवृति तिथि 30 अप्रैल 2025 है।

विधानसभा के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की विशेष समिति की हुई बैठक

RANCHI : बजट सत्र के दौरान सदस्य चंद्रदेव महतो और सदस्य अरूप चटर्जी के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचना मामले पर गठित विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) की बैठक बुधवार को विधानसभा स्थित समिति के कक्ष में हुई। समिति ने धनबाद जिला के बलियापुर अंचल के सुरूंगा और झरिया के भौरा में बीसीसीएल क्षेत्र 10 एवं एटी देवप्रभा कंपनी ने जबरन ओबी डम्प किए जाने से संबंधित मामले पर समिति ने मामले से संबंधित विभिन्न विषयों पर विमर्श किया। इसके बाद बैठक में विशेष समिति ने सचिव राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग, सचिव खान और भूतत्व विभाग, सचिव वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग को उक्त विषय के संबंध में प्रारंभिक रिपोर्ट के साथ समिति की अगली बैठक में 30 मई बुलाया है।

टीएसी की बैठक में उत्पाद नियमावली 2025 के मसौदों पर बनी सहमति

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में राज्य मंत्रालय में हुई झारखंड जनजातीय परामर्शदातृ परिषद की मीटिंग

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रालय में झारखंड जनजातीय परामर्शदातृ परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में आदिवासी समुदाय के संरक्षण, संस्कृति के संवर्धन और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। इस दौरान अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रस्तावों पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। इन प्रस्तावों में शराब दुकान और बार खोलने की

नियमावली, ईचा बांध परियोजना, वन अधिकार अधिनियम के तहत अबुआ बीर दिशोम अभियान और छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम से जुड़ा थाना परिसीमन का मुद्दा शामिल रहा।

शराब दुकान और बार खोलने के नियमों में बदलाव : टीएसी बैठक में झारखंड उत्पाद नियमावली 2025 और होटल, रेस्टोरेंट, बार एवं क्लब संचालन नियमावली 2025 के मसौदों पर सहमति दी गई। तय हुआ कि वे ग्राम पंचायत जहां 50% या उससे अधिक आदिवासी जनसंख्या है और जो क्षेत्र राज्य सरकार द्वारा पर्यटन दृष्टिकोण से घोषित किए गए हैं (धार्मिक स्थल को छोड़कर), वहां ग्रामसभा की सहमति से शराब की खुदरा बिक्री, बार और रेस्टोरेंट खोलने की अनुमति दी जा सकेगी। इसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना, राजस्व वृद्धि करना और अवैध शराब पर नियंत्रण पाना है।

ईचा बांध परियोजना पर जनजातीय प्रभाव का आकलन पश्चिमी सिंहभूम के खरकई नदी पर प्रस्तावित ईचा बांध को लेकर भी बैठक में गहन चर्चा हुई। तय किया गया कि परियोजना के कारण विस्थापित होने वाले जनजातीय समुदाय और अन्य प्रभावित लोगों की वर्तमान स्थिति का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। यह रिपोर्ट फोटो और वीडियो के साथ तैयार कर एक पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से परिषद के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

थाना क्षेत्र निर्धारण के लिए आयोग का गठन होगा : छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम की धारा 46 के तहत थाना क्षेत्र की परिभाषा स्पष्ट करने पर भी निर्णय लिया गया। वर्ष 1938 में निर्धारित थाना क्षेत्रों के आधार पर नए प्रस्ताव तैयार कर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग प्रस्तुत करेगा। साथ ही एक आयोग का गठन कर छह माह में विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है।

इनकी रही मौजूदगी : बैठक में मंत्री सह टीएसी उपाध्यक्ष चमरा लिंडा, विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, लुईस मरांडी, सोनाराम सिंकू, दशरथ गागराई, राजेश कच्छप, नमन विक्सल कोनगाड़ी, जिगा सुसारन होरो, संजीव सरदार, आलोक कुमार सोरेन, सुदीप गुड़िया, जगत मांझी, राम सूर्या मुंडा, रामचंद्र सिंह सहित नामित सदस्य नारायण उरांव और जोसाई मार्डी शामिल हुए।

पेनकिलर, बुखार, शुगर-थायरॉयड की मेडिसिन, विटामिन सप्लीमेंट्स के लिए नियम लागू

नकली दवाओं पर सरकार का शिकंजा बिना क्यूआर कोड नहीं बिकेंगी 300 दवाएं

PHOTON NEWS RANCHI : खाद्य पदार्थों के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषी चाहे दवा माफिया हो, भ्रष्ट अधिकारी हो या लापरवाह दुकानदार सब पर कड़ी कार्रवाई होगी। सरकार ने 300 महत्वपूर्ण दवाओं के लिए क्यूआर कोड अनिवार्य कर दिया है, जिससे उनकी असलियत तुरंत जांची जा सकेगी। पेनकिलर, बुखार की दवा, शुगर-थायरॉयड की दवाएं, विटामिन सप्लीमेंट्स आदि अब बिना क्यूआर कोड के नहीं बिकेंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने चेतावनी दी कि बिना रजिस्ट्रेशन वाली दवा मिलने पर मेडिकल दुकान सील कर दी जाएगी। साथ ही, उन्होंने कफ सिरप में पाए जाने वाले कोडीन और अल्कोहल को जानलेवा जहर करार देते हुए कहा कि यह युवाओं को नशे की ओर धकेल रहा है। अब बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के ऐसी सिरप की बिक्री

अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ : इरफान अंसारी

- स्वास्थ्य मंत्री ने दी चेतावनी, दोषी कोई भी हो, की जाएगी कड़ी कार्रवाई
- बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के कोडीन युक्त कफ सिरप की बिक्री दंडनीय अपराध

दंडनीय अपराध होगी।

ड्रग इंस्पेक्टरों को दिए सख्त निर्देश स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य के ड्रग इंस्पेक्टरों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे पूरी ईमानदारी से निरीक्षण करें। किसी भी तरह की लापरवाही पर निलंबन और विभागीय जांच तय है। उन्होंने तीन साल से एक ही पद पर तैनात अधिकारियों के तबादले का भी एलान किया है, ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जा सके।

फूड व मेडिसिन टेस्टिंग लैब बनेगी

राज्य सरकार जल्द ही रांची, दुमका, जमशेदपुर और पलामू में अत्याधुनिक फूड व मेडिसिन टेस्टिंग लैब शुरू करने जा रही है। इससे दवाओं और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच तेज और पारदर्शी होगी।होटल, मॉल और रेस्टोरेंट्स भी अब जांच के दायरे में होंगे। मिलावट या खराब गुणवत्ता मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने दो टूक कहा, अब स्वास्थ्य के नाम पर धंधा नहीं चलेगा, अब चलेगा कानून का डंडा।

अहिल्याबाई होलकर रानी नहीं, गरीबों और असहायों की माता थीं : अन्नपूर्णा देवी

PHOTON NEWS RANCHI : नगड़ी में रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर भाजपा रांची ग्रामीण जिला की ओर से बुधवार को गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर रानी नहीं बल्कि गरीबों और असहायों की माता थीं। उन्होंने जीवन पर्यंत एक शासक के रूप में नहीं बल्कि भगवान शिव की प्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा की। वे अपने हस्ताक्षर भी भगवान शिव के निदेर्शानुसार लिखती थीं।

उन्होंने कहा कि एक सामान्य परिवार में जन्म लेने वाली रानी अहिल्याबाई होलकर अपनी अद्वितीय प्रतिभा के कारण राज परिवार में ब्याही गईं। अपने जीवन काल में विषम परिस्थितियों का उन्होंने सामना किया और राजकाज भी संभाला। उन्होंने कहा कि 30 वर्षों के शासन में उन्होंने अनेक उल्लेखनीय कार्य किए जो स्वर्णाक्षरों में अंकित है। आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने नारी सशक्तिकरण के लिए सख्त दहेज विरोधी कानून बनाए, बिना संतान की विधवाओं की संपत्ति राज्य की ओर से जब्त कर लेने की नीति समाप्त की। विधवाओं को गोद लेने की स्वतंत्रता दी, विधवा पुनर्विवाह का नैतिक समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिया। महिलाओं बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा कानून बनाए। महिलाओं को युद्ध कौशल सिखाया और महिला सैन्य टुकड़ी का भी गठन किया।

बेदाग हैं हेमंत तो शराब घोटाले की सीबीआई से कराएं जांच : सुदेश महतो

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को चुनौती दी है कि अगर उनकी सरकार शराब घोटाले में शामिल नहीं है तो शराब घोटाले की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करें। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में प्राथमिकी दर्ज कर और अफसरों को गिरफ्तार कर एसीबी ने इतिहास रच दिया। सुदेश ने बुधवार को मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस बात पर विश्वास करना असंभव है कि मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री की सहमति के बगैर ही अफसरों ने नीतिगत बदलाव कर लिया। ताकि, घोटाला किया जा सके। स्पष्ट है कि सीबीआई जांच होगी तो मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री

भी लपेटे में आएंगे। इसी कारण आईएएस विनय चौबे और संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को बलि का बकरा बनाया गया है। ताकि, मुख्यमंत्री और मंत्री को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस सरकार की असलियत अब जनता के सामने आनी शुरू हो गई है और इसका हाल भी दिल्ली की केजरीवाल सरकार की तरह ही होने वाला है।

कांके के नगड़ी मौजा में काम शुरू होते ही विरोध करने लगे ग्रामीण

दूसरा रिम्स बनने से क्षेत्र का होगा विकास युवाओं को मिलेगा रोजगार : सुरेश बैठा

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार की प्रस्तावित रिम्स 2 कांके के नगड़ी मौजा मे 207 एकड़ जमीन पर बनना तय हुआ है। जमीन पर काम शुरू होते ही नगड़ी मौजा के ग्रामीणों का विरोध शुरू हो गया। बुधवार को कांके विधायक सुरेश बैठा नगड़ी के ग्रामीणों को मनाने के लिए पहुंचे। मौके पर ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से वार्ता के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। इसपर विधायक ने मौके पर ही मुख्यमंत्री के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव से टेलीफोनिक बात कर मुख्यमंत्री का समय मांगा।

विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि रिम्स 2 राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मे से एक योजना है। रिम्स 2 के निर्माण से क्षेत्र का विकास होगा, लोगो को रोजगार भी मिलेगा। हमलोग हर संभव ग्रामीणों से बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास कर रहे है। सकारात्मक वार्ता हो रही है। राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी आदिवासियों कि भावना को समझते हैं। ग्रामीणों का मांग है कि वें अपने मुख्यमंत्री से मिल कर वार्ता और मांग रखेंगे। जल्द ही मुख्यमंत्री का समय लेकर एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कराई जाएगी।

श्रीमद भागवत कथा का भव्य समापन हवन के बाद श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

PHOTON NEWS RANCHI : पिस्का मोड़ हेसल स्थित जतरा मैदान नॉर्थ श्री हेसल हनुमान मंदिर के सामने गली नंबर 3 में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का बुधवार को विधिवत समापन हुआ। यजमान संजीव कुमार सिंह (चुन्नू सिंह) और उनकी धर्मपत्नी संगीता सिंह के साथ क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन और पूर्णाहुति संपन्न की। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य अतुल द्विवेदी जी महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह ग्रंथ वेद-उपनिषदों का सार है। उन्होंने कहा कि भागवत शब्द

भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और त्याग का प्रतीक है। प्रसाद को उन्होंने प्रभु के साक्षात दर्शन के समान बताया। मौके पर राजकुमार गुप्ता, अधिवक्ता दीनानाथ गुप्ता, पूर्व पार्षद अशोक यादव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की व्यवस्था को सफल बनाने में संजीव कुमार सिंह, सुनील सिंह, अमृतेश पाठक, बिरेंद्र प्रसाद, मनमोहन पांडेय, गौरव जयसवाल सहित अनेक सेवकों ने अहम भूमिका निभाई।

विद्या विकास समिति की ओर से आयोजित आचार्य प्रशिक्षण केंद्र में जनजातीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले राज्यपाल

जब एक नारी शिक्षित होती है, तो पूरे समाज पर पड़ता है असर

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि भारतीय चिंतन, संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा को जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि आपके कार्यों के बारे में पहले भी सुना था और समझता था, लेकिन आज प्रत्यक्ष रूप से देखकर बहुत खुशी हुई। राज्यपाल बुधवार को विद्या विकास समिति की ओर से आयोजित आचार्य प्रशिक्षण केंद्र में जनजातीय आचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में बोल रहे थे। रांची के नगड़ी स्थित कुदलुंग में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 387 आचार्यों की उपस्थिति रही।

राज्यपाल ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएं दीं और महिला आचायाओं की उपस्थिति को विशेष रूप से सराहते हुए कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है, तो पूरा समाज शिक्षित होता है और यहां का दृश्य जनजातीय समाज में शिक्षा की गहरी जड़ें और महिलाओं की अग्रणी भूमिका का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विद्या विकास समिति के अंतर्गत झारखंड में 213 औपचारिक विद्यालय और 209 सरस्वती संस्कार केन्द्रों के माध्यम से ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा सुलभ कराया जा रहा है, नगर की उपेक्षित बस्तियों में संस्कार युक्त निःशुल्क शिक्षा भी प्रदान की जा रही है, यह अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने इसे सशक्त सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय समाज के शिक्षित युवक-युवतियां अपने गांव और समाज के बच्चों को न केवल अक्षर और अंक ज्ञान, बल्कि उससे भी अधिक महत्वपूर्ण संस्कारों की शिक्षा दे रहे हैं। राज्य के 264 प्रखंडों से आए आचार्यों की सहभागिता को उन्होंने राष्ट्रीय चेतना के जागरण के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री का जनजातीय समाज के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना में झारखंड को प्रमुखता दी जा रही है।

प्रभु का आशीर्वाद है जीवन की हर सांस : तहजीबुल हसन

RANCHI : कुरान शरीफ में अल्लाह ने फरमाया है कि तुम मेरी कौन-कौन सी नेमतों को झुठलाओगे। जीवन की हर सांस प्रभु का आशीर्वाद है। यह बातें झारखंड सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य और मस्जिद जाफरिया रांची के इमाम व खतीब हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कहीं। कहा कि आज के दौर में इंसान के लिए सबसे बड़ी नेमत उसका घर मकान और आशियाना है। श्री सैयद अत्ता इमाम रिजवी 50 वर्षों से इस शहर में हैं।

विश्वविद्यालयों में प्रति कुलपति नियुक्त करें राज्यपाल : सूरज मंडल

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व सांसद और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से झारखंड के प्रत्येक विश्वविद्यालय में प्रति कुलपति की अविलम्ब नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से प्रत्येक विश्वविद्यालय में न केवल प्रशासन और प्रबंधन दुरुस्त होगा, बल्कि कार्यों में पारदर्शिता भी आयेगी और पठन-पाठन बेहतर होगा। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात के दौरान डॉ मंडल ने कहा कि झारखंड में उच्च शिक्षा की बेहतर स्थिति न केवल छात्र-छात्राओं या संपूर्ण शैक्षणिक जगत के हित में है, बल्कि कुल मिलाकर झारखंड के सभी लोगों के तीव्र गति से सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए भी यह

जरूरी है। डॉ मंडल ने कहा कि इतिहास में इस बात के प्रमाण भरे पड़े हैं कि जहां भी उच्च शिक्षा की स्थिति कमजोर हुई है वहां उसका खामियाजा न केवल पूरे समाज या प्रदेश को भुगतना पड़ा है बल्कि आर्थिक विकास भी धीमा हो गया। डॉ मंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार उच्च शिक्षा के मामले में पूरी तरीके से उदासीन है और उसका नकारात्मक और निराशाजनक रवैया पूरी तरह स्पष्ट है।

BRIEF NEWS

नवादा में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब व बीयर जब्त

NAVADA : बुधवार को नवादा जिले के वारिसलीगंज में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब व बीयर को जब्त किया है। जबकि शराब धंधेबाज पुलिस के आने की भनक मिलते ही फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के बलवापर गांव में वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन के बगल में भारी मात्रा में शराब पड़ी हुई । जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया । गौशाला से कुल 57.750 लीटर अंग्रेजी शराब व बीयर की बोतल पुलिस ने जब्त किया। जिसमें रॉयल स्टेग की 750 एमएल की 44 बोतल, मैजिक मुवमेंट की तीन बोतल व बलेन्डर प्राइट की चार बोतल एवं तकरीबन 39 बीयर की बोतल शामिल है।

आठ फेरों के साथ आनंद विहार से जोगबनी चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

ARARIA : दिल्ली सहित अन्य दूसरे प्रदेशों में काम कर रहे प्रवासी मजदूरों को गर्मी के दिनों में ट्रेनों में ठूस ठुसकर नहीं आना होगा। रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल से जोगबनी के लिए आठ फेरों वाली समर स्पेशल ट्रेन की घोषणा की है। 20 सामान्य श्रेणी की कोच के साथ यह ट्रेन चलेगी। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी अधिसूचना में गाड़ी संख्या 04074/04073 आनंद विहार टर्मिनल जोगबनी एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन आनंद विहार टर्मिनल से गाड़ी संख्या 04074 शुक्रवार दिनांक 23 मई से 11 जुलाई साप्ताहिक और जोगबनी से गाड़ी संख्या 04073 रविवार 25 मई से 13 जुलाई तक साप्ताहिक चलेगी। ट्रेन में सिर्फ सामान्य श्रेणी के 20 कोच लगाए गए हैं। आनंद विहार टर्मिनल से जोगबनी के लिए रात 23:55 में खुलेगी। वहीं जोगबनी से रविवार के सुबह 9:30 बजे खुलेगी।

आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश की संभावना, अलर्ट जारी

PATNA : मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने गुरुवार के लिए प्रदेश के सभी जिलों में बारिश, आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। अगले 5 से 6 दिनों तक बिहार में आंधी-तूफान का भी लोगों को सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने राज्य के 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 21 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि एक जिले में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर और खगड़िया में मेघगर्जन और व्रजपात को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, पूर्वी चंपारण में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

भावुक हुए धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, कहा- मेरा अगला जन्म बिहार में हो

AGENCY PATNA : बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बुधवार को बिहार पहुंचकर अति भावुक हो गये । उन्होंने अपना अगला जन्म बिहार में होने की इच्छा व्यक्त की। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मधुबनी पंचायत के राधानगर पताही चौसीमा में आयोजित विष्णु महायज्ञ में पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने बिहार की धरती को नमन किया। साथ ही कहा कि धन्य हैं मुजफ्फरपुरवासी, तुम्हारे धैर्य को प्रणाम। बाला जी की कृपा आप सभी पर अवश्य होगी।

उन्होंने भोजपुरी में बोलते हुए कहा कि बागेश्वर धाम के बाद अगर अगला जन्म लेना हो तो मैं बिहार की धरती पर लेना चाहूंगा। मैं बाला जी से विनती करता हूं कि आप सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों। अगले वर्ष तीन दिन की कथा और दरबार के साथ फिर आऊंगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे मंगलवार को निर्धारित समय शाम 6 बजे की बजाय रात 10 बजे पहुंचे। इसलिए वह इसे ₹कर्जर₹ मानते हैं और जल्द लौटकर इसे चुकाएंगे। बाबा बागेश्वर ने कार्यक्रम में दरबार सजाया और 12 लोगों को बुलाकर उनकी अर्जी सुनी। उन्होंने कहा कि दरबार तो बस एक बहाना है, असली मकसद है आपको बाला जी और हनुमान जी से जोड़ना। कार्यक्रम में बिहार सहित नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं` मुजफ्फरपुर की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर अद्भुत भूमि है, यहां भोलेनाथ का वास है। मेरी कामना है कि भारत हिंदू राष्ट्र बने। केन्द्र सरकार के जाति जनगणना करने के फैसले पर उन्होंने बताया कि यह अच्छी पहल है। अमीर और गरीब की गिनती होनी चाहिए। जब तक समाज का समग्र विकास नहीं होगा, तब तक देश और बिहार का विकास अधूरा रहेगा। कंधे से ऊपर छाती नहीं होती और धर्म से बड़ी कोई जात नहीं होती।

विधायक योजना मद से निर्मित पथ का डॉ. आलोक रंजन ने किया उद्घाटन

AGENCY SAHARSA : विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर निगम सहरसा वार्ड संख्या 44 में विधायक योजना मद से निर्माण कराए गए पथ शांति नगर मुख्य सड़क से मुकेश सिंह के घर की ओर जाने वाली पथ का सदर विधायक डॉ आलोक रंजन ने बुधवार को उद्घाटन किया। विधायक डॉ आलोक रंजन ने बताया कि यह सड़क काफी जर्जर था लोगों को इस सड़क से आवागमन करने में काफी परेशानी होती थी, लेकिन अब इस सड़क के निर्माण हो जाने के बाद लोगों को आवागमन में सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जिलें में सड़क बिजली पानी की आधारभूत संरचना तथा शांतिपूर्ण विधि व्यवस्था कायम कर न्याय के साथ विकास कार्य मे निरन्तर प्रयत्नशील है। जिलें सड़कों का जाल बिछाया गया है। वही जिलें से गुजरने वाले राष्ट्रीय उच्च पथ एवं एक्सप्रेस वे निर्माण कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र के विकास में चार चांद लग जायेगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क जर्जर रहने के कारण मोहल्ला के निवासियों को परेशानी होती थी लेकिन विधायक से मिलकर सड़क बनाने का आग्रह करने के बाद उन्होंने शीघ्र सड़क बनवाने का काम किया हम सभी लोग उनको धन्यवाद देते हैं। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने उद्घाटन से पूर्व उन्हें पाग चादर देकर सम्मानित करते हुए आभार व्यक्त किया।

एसआईटी ने लूट का छह घंटे के अंदर किया खुलासा

राजगीर नौलखा मंदिर लूटकांड में नकद के साथ 5 आरोपी अरेस्ट

AGENCY NALANDA : एसआईटी ने राजगीर के नौलखा मंदिर में हुई लूट का छह घंटे के अंदर खुलासा कर लिया। खुलासा हैरान करने वाला है। मुख्य पुजारी का परिवार ही लुटेरा निकला। टीम ने पुजारी के पुत्र-भतीजा, श्वेतांबर धर्मशाला के सहायक सुपरवाइजर समेत पांच को गिरफ्तार किया है। एसपी भारत सोनी ने बताया कि नौलखा मंदिर के श्वेतांबर धर्मशाला में 19 मई की रात गार्ड को जख्मी कर तीन दान पेटियों से लाखों की नगदी लूट ली गई थी। घटना के खुलासा के लिए उन्होंने एसआईटी का गठन किया था। टीम ने तकनीक व फुटेज के आधार पर महज छह घंटे में खुलासा कर लिया। पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लूटी गई नगदी बरामद कर लिया गया। बरामद नगदी 8,05,090 रुपए हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी का परिवार लूट का माल के साथ गिरफ्तार अभियुक्तों में विनीत कुमार (पुजारी का बेटा), परमीत तिवारी (पुजारी का भतीजा), बच्चन कुमार (श्वेतांबर धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर) कन्हैया कुमार और हीरा कुमार शामिल हैं। टीम ने अपराधियों के पास से लूटी गई पूरी राशि के अलावा एक देसी पिस्तौल, पॉइंट 315 का दो जिंदा कारतूस, 7.65 एमएम का 11 जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया लोहे का चाकू भी बरामद किया है।

» मंदिर के मुख्य पुजारी का परिवार ही निकला लुटेरा

» श्वेतांबर धर्मशाला में 19 मई की रात गार्ड को जख्मी कर तीन दान पेटियों से लाखों रुपये की हुई थी लूट

घटना की जानकारी देते एसपी भारत सोनी व अन्य

वरीय अधिकारी ने बताया कि आरोपितों को स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाई जाएगी। पुलिस एक माह में आरोप-पत्र समर्पित कर देगी। जख्मी गार्ड पटना के रूबन क्लिनिक में इलाजरत हैं। घटना के बाद उनकी जान बचाने के लिए पुलिस स्कॉर्ट कर उन्हें पटना ले जाकर भर्ती कराई। अब उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। एसपी ने बताया कि पुजारी का परिवार व सहा. सुपरवाइजर को पता था कि नियत समय पर दान पेटी खोलने पर उससे लाखों की रकम निकलती है। जिससे उनमें लालच आ गया। तीनों ने अपने सहयोगियों की मदद से लूट को अंजाम दिया गया था।

जागरूकता रैली में बेटियों की शिक्षा पर दिया जोर

AGENCY NALANDA : नालंदा जिला अंतर्गत जैतपुर पंचायत के सदभरई हाई स्कूल में बुधवार को गांधी फेलो और पिरामल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और पंचायत क्षेत्र को ड्रॉपआउट-फ्री बनाना था।

रैली में कक्षा 5वीं से 10वीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नारे, पोस्टर और बैनरों के माध्यम से बच्चों ने गांववासियों को संदेश दिया कि हर लड़की को शिक्षा का अधिकार मिलना चाहिए और जो बच्चियां स्कूल छोड़ चुकी हैं उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाना चाहिए।

रैली के उपरांत गांधी फेलो द्वारा पंचायत स्तर पर एक सामुदायिक बैठक आयोजित की गई जिसमें आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी सेविकाएं, वार्ड सदस्य और स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में बाल विवाह, दहेज प्रथा और लिंग भेद जैसी सामाजिक कुप्रथाओं पर गहन चर्चा की गई और उनके समाधान हेतु सुझाव रखे गए।गांधी फेलो और पिरामल फाउंडेशन की टीम ने पंचायत के सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग करें, जिससे पंचायत को एक सुरक्षित, समावेशी और शिक्षा के प्रति जागरूक क्षेत्र बनाया जा सके।

डीईओ व बाल विकास पदाधिकारी को नोटिस

CHAMPARAN : बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार सर्वे फॉर आधार एंड एक्सेस टू ट्रैकिंग एंड हॉलिस्टिक इंक्लूजन के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय में बुधवार को हुए विशेष बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास पदाधिकारी के उपस्थित नहीं होने पर प्राधिकार के सचिव सह सब जज 6 श्वेता सिंह ने इसे गंभीर बताते हुए दोनों पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नालसा एवं बालसा के विशेष अभियान इंप्लीमेंटेशन ऑफ साथी कैपेन डॉक्यूमेंट संस्थान द्वारा मूर्त रूप दिया जा रहा है।

सड़क हादसे में मृतक के आश्रितों को मंत्री श्रवण कुमार ने सौंपा चेक

AGENCY NALANDA : बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं जदयू के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रसाद ने बुधवार को नूरसराय प्रखंड के मुजफ्फरपुर पंचायत अंतर्गत सिरसिया बिगहा गांव पहुंचे। उन्होंने बुधवार को हीं सड़क दुर्घटना में मृत अनिल जमादार (56) के परिजन से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और मंत्री ने पत्नी सुनीता देवी और पुत्रों राजीव एवं संजीव को 20 हजार रुपये का पारिवारिक लाभ अनुदान चेक प्रदान किया। उन्होंने परिजनों को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संदेश दोहराते हुए कहा कि सरकारी खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। इस अवसर पर जदयू नेता राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में न्याय के साथ विकास हो रहा है, जिसमें सभी वर्गों को समान भागीदारी मिल रही है।

रेलवे का रैक अनलोड नहीं होने से होगी नमक की किल्लत, 8 करोड़ का लगा घाटा : वजीर प्रसाद

AGENCY NAVADA : बिहार झारखंड गुजरात में नमक के बड़े व्यवसाई सन गोल्ड तथा महाराजा कंपनी के प्रोपराइटर नवादा निवासी वजीर प्रसाद ने कहा है कि फतुहा में मजदूरों के हड़ताल के कारण चार दिनों से दो करोड रुपए मूल्य का नमक स्टेशन पर पड़ा है,जिस कारण रेलवे को 8 करोड़ का नुकसान हो चुका है। इसका भरपाई व्यवसाय किसी भी कीमत पर नहीं करेंगे। अगर यही हाल रही तो नवादा सहित संपूर्ण बिहार में नमक किल्लत होगी।

वे बुधवार को नवादा में प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि सीमेंट बनाने का कच्चा माल स्टेशन पर मगाने के विरोध में मजदूरों ने हड़ताल कर रखा है। 42 डब्बे के मालगाड़ी में नमक चार दिनों से भरा पड़ा है। जिसे हड़ताल के कारण मजदूर निकाल कर ट्रक पर नहीं लाद रहे हैं। रेलवे के जनरल मैनेजर सहित सभी वरिष्ठ रेल अधिकारियों को इसकी लिखित सूचना कई बार दिए जाने के बावजूद मजदूरों का हड़ताल खत्म कर कर नमक अनलोड करने की दिशा में किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है ।जिस कारण अब तक रेलवे को 8 करोड़ का नुकसान हो चुका है। जिसका भरपाई रेलवे व्यवसाई से ही करना चाहेगी ।लेकिन किसी भी कीमत पर व्यवसाई इस डैमेज की भरपाई नहीं कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि जो भी समस्या पैदा हुई है। वह रेलवे के कर्मचारियों तथा अधिकारियों के निष्क्रियता के कारण हुई है। जिसका जिम्मेवार कोई व्यवसाई नहीं हो सकता । वजीर प्रसाद ने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को भी इसकी सूचना दी जा चुकी है ।लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हो सकी है।

उन्होंने दानापुर के डिवीजनल रेल मैनेजर को जल्दही पहल कर रेलवे से नमक उतरवाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। वजीर प्रसाद ने कहा कि अब तक दूसरा खेप माल आ जाता। जिससे सरकार को करोड़ों रुपए का मुनाफा होता।

मोतिहारी के नटवरलाल ने 50 दुकानदारों को लगाया करोड़ों का चूना

CHAMPARAN : जिले में एक नटवरलाल ने 40 से 50 व्यवसायियो से करोड़ो का ठगी कर फरार हो गया है। ठगी के शिकार पीड़ित व्यवसायियों ने एसपी स्वर्ण प्रभात से मदद की गुहार लगायी है। बताया गया कि आरोपित नटवरलाल जिले के जीवधारा के रहने वाले अमन जयसवाल है, जिसने मोतिहारी, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज सहित अन्य कई जिलों से लगभग 40 से 50 इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानदारो से सीजन के पूर्व पंखा, कूलर सहित अन्य इलेक्ट्रोनिक्स समानो की सप्लाई देने के नाम पर करोड़ो रुपए ठगी कर लापता हो गया है। व्यवसायियों को जब सीजन आने के बाद भी सामान नहीं मिला और न ही रूपया लौटाया तो अंततःव्यवसायियो ने मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात से पैसे वापसी कराने के लिए गुहार लगायी है।

फारबिसगंज अंचल के ग्रामीण इलाकों में भूमि सर्वेक्षण को लेकर शुरू हुआ सत्यापन का काम

AGENCY ARARIA : भूमि सर्वेक्षण कार्य को लेकर फारबिसगंज अंचल अंतर्गत अभी 24 मौजा का त्रिसीमाना ,बस्ती, बाउंड्री सत्यापन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया।इसके पश्चात किस्तवार कार्य शुरू किया जाएगा। भूमि सर्वेक्षण कानूनगो विमलेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की भूमि सर्वेक्षण कार्य लगातार चल रहा है। रैयतों को चाहिए ससमय स्वघोषित पत्र जमा करें। उन्होंने कहा फारबिसगंज प्रखंड क्षेत्र में उनके उपस्थिति में मौजा हंसकोषा,खुर्द मौजा थाना संख्या 124 का त्रिसीमाना पूर्ण किया गया। संबंधित मौजा गडहा थाना संख्या 123, परवाहा थाना संख्या 128 का भी 2 त्रिसीमाना का सत्यापन कार्य किया गया।

सभी मौजा में त्रिसीमाना, बाउंड्री सत्यापन पश्चात किस्तवार प्रारंभ किया जाएगा। सभी रैयत जमीन मालिक से किस्तवार पराक्रम में अनुरोध है कि अपना अपना भूमि पर उपस्थित होकर अपने भूमि का विशेष सर्वेक्षण में नया नक्शा का निर्माण कराना सुनिश्चित करेंगे। मौके पर मौके पर अमीन गोपाल कुमार, अभय कुमार, तेजस्वी सिंह, अमित कुमार, शैलेन्द्र गुप्ता, अभिजीत कुमार, सोनम सिंह और ज्योति कुमारी और ईटीएस संचालक मनीष कुमार आदि उपस्थित थें।

रुक-रुक कर हो रही प्रतिदिन की बारिश ने बर्बाद कर दी फसल

बारिश से मक्का किसानों की टूटी कमर, हुआ भारी नुकसान

AGENCY ARARIA : जिले में रुक रुक कर हो रही प्रतिदिन की बारिश ने मक्का उत्पादन करने वाले किसानों की कमर तोड़ दी है। बारिश के कारण मक्का के फसल को भारी नुकसान हुआ है। बिन मौसम बारिश ने किसानों को भारी परेशानी में डाल दिया है। तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होने से खेत में खड़े मक्का फसल के पौधे गिर गए हैं। वहीं मक्का तैयार फसल पानी में भींगकर खराब हो रही है। किसानों का तैयार मक्के की फसल को तोड़ने और तोड़े हुए मक्के भींग गए। कठिन मेहनत के बाद तैयार हुई मक्के की फसल बारिश में भीगकर बर्बाद हो रही है। किसानों ने सूद-ब्याज पर पैसे लेकर मक्के उगाए थे और अब उनका पूरा परिश्रम बारिश के पानी में बहने लगा है। बीते तो दिनों से हो रही बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है।मकई की फसलें पानी में डूब गया है। खेतों में पानी का जमाव हो गया है। बारिश ने किसानों को संकट में डाल दिया है। प्रखंड के हलहलिया, लहसुनगंज, समौल मझुआ, सैफगंज, शंकरपुर, तिरसकुंड, रमई आदि के गांवों के हजारों किसान परेशान हैं। किसानों ने बताया कि उनकी साल भर की मेहनत बर्बाद हो गई। खेतों में पानी भरने से फसलें सड़ने लगी है। उल्लेखनीय हो कि इलाके के किसान गेहूं और मकई पर निर्भर रहते हैं। इन्हीं फसलों से साल भर घर चलता है। अब बिन मौसम बारिश, तेज हवा,आंधी ने सब कुछ तबाह कर दिया। किसान कर्ज में डूबने लगे हैं। मौसम विभाग ने बारिश की चेतावनी दी थी। लेकिन इतनी तेज बारिश की उम्मीद नहीं थी।

» तेज हवा के साथ झमाझम बारिश होने से गिर गए खेत में खड़े मक्का के पौधे

» आर्थिक रूप से किसानों को लगी चोट की भरपाई मुआवजे के बिना संभव नहीं

खेत में बर्बाद मक्का की फसल

नवादा में चार साइबर ठग गिरफ्तार, कई सामान बरामद

NAVADA : नवादा जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में अपसढ़ पंचायत स्थित भवानी विगहा गांव के बगीचा से बुधवार को पुलिस ने चार युवकों को ठगी से संबंधित दस्तावेज के साथ गिरफ्तार किया.बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अफरातफरी में की गई कारवाई के दौरान रितिक कुमार, गुड्डू कुमार, प्रताप कुमार एवं रोहित कुमार को रिलायंस फाइनेंस व अन्य कंपनियों के नाम पर ठगी करते गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि गिरफ्तार युवक ठगी करने में मशगुल थे कि सामान्य कपड़ों से लवरेज रहे पुलिस कर्मियों की भनक इन युवकों ने नहीं भांप पायी और मौके से ही दबोचे गए।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज नगर कांग्रेस कमिटी की ओर से बुधवार को आधुनिक भारत के निमार्ता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि छुआपट्टी में समारोह पूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अमितेश कुमार गुड्डू ने की। मौके पर कार्यकताओं के द्वारा स्वर्गीय राजीव गांधी के तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। मौके पर नगर अध्यक्ष अमितेश कुमार गुड्डू, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा, वरिष्ठ कांग्रेसी मंगल चंद अग्रवाल, श्री कुमार ठाकुर, यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव करण कुमार पप्पू, मासूम अंसारी, मंदन गुप्ता, राजेश कनोजिया, मनोज साह, गौरव गुप्ता, काजल गुप्ता, जोया खान, राजू यादव, राहुल यादव, दिलकश

राज, विक्की अंसारी, शाहरुख, मो अहमद, मो अरशद, देवन यादव, दयानंद दास, मो शहीद, प्रिंस कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे। मौके पर अमितेश गुड्डू और अनिल सिन्हा ने बताया कि स्वर्गीय राजीव गांधी आधुनिक भारत के निमार्ता थे। उनका योगदान हमारे लिए प्रेरणास्रोत है और उनकी स्मृति हमारे दिलों में सदैव जीवित रहेगी। वही करण ने कहा कि राजीव गांधी एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपने नेतृत्व और आधुनिक सोच से देश को प्रगतिशील दृष्टिकोण प्रदान कर दिशा दी।

बाली के इन मंदिरों को देखे बिना नहीं होगी इंडोनेशिया की ट्रिप पूरी

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है।

जब भी बाली घूमने की बात होती है, तो यकीनन सबसे पहले वहां के शानदार बीचेस को एक्सप्लोर करने का ही ख्याल मन में आता है। लेकिन यहां का प्राकृतिक सौंदर्य जितना बेहतरीन है, उतने ही आकर्षक है यहां पर स्थित मंदिर। प्राचीन बाली में कई मंदिर ऊंचे इलाकों और तटों पर स्थित हैं, जो शानदार सदियों पुरानी वास्तुकला को समेटे हुए हैं। भले ही आप स्वभाव से धार्मिक हों या ना हो, लेकिन फिर भी आपको इन मंदिरों में एक बार जरूर जाना चाहिए। यह मंदिर आपको बाली के सांस्कृतिक पक्ष से रूबरू होने का मौका देते हैं, साथ ही साथ मंदिर के पीछे की दिलचस्प इतिहास को जानकर यकीनन बेहद रोमांचित होंगे। तो चलिए आज हम आपको बाली में स्थित कुछ बेहतरीन मंदिरों के बारे में बता रहे हैं-

तनाह लोट मंदिर

यदि बाली में सर्वश्रेष्ठ हिंदू मंदिर की बात की जाए, तो उसमें तनाह लोट मंदिर का नाम अवश्य लिया जाता है। तनाह लोट मंदिर एक पर्यटन स्थल के रूप में बहुत लोकप्रिय है। तनाह लोट मंदिर समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी मूंगा चट्टान पर बना है। तनाह लोट मंदिर क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए केवल तभी पहुँचा जा सकता है जब समुद्र का पानी कम हो। समुद्र के ज्वार के समय तनाह लोट मंदिर समुद्र के बीच में स्थित प्रतीत होता है। तनाह लोट मंदिर जाने का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त से पहले दोपहर का है। दर्शन के बाद आप यहां पर सूर्यास्त भी अवश्य देखें। तनाह लोट में सूर्यास्त का दृश्य अद्वितीय और बाली में सबसे सुंदर दृश्यों में से एक है।

उलुवातु मंदिर

उलुवातु मंदिर को बाली के लोगों द्वारा पुरा लुहुर उलुवातु भी कहा जाता है और यह बाली में छह मुख्य हिंदू मंदिरों में से एक है। उलुवातु मंदिर अपनी वास्तुकला की विशिष्टता के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान एक बहुत ही खड़ी चट्टान के किनारे पर स्थित है और चट्टानों की समुद्र तल से लगभग 70 मीटर की ऊँचाई है। यहां पर सूर्यास्त के दृश्य के अलावा, उलुवातु मंदिर स्थान से पर्यटक हिंद महासागर के दृश्यों को भी देख सकते हैं। यहां पर आप बाली के डांस भी अवश्य देखें, क्योंकि बाली में एकमात्र स्थान जो सूर्यास्त के दौरान बाली केकक नृत्य पेशकश करता है वह उलुवातु मंदिर में है।

उलुन दानू बेरातन मंदिर

एक झील में एक स्वर्ग, वही वास्तव में उलुन दानू है। बेदुगुल में बेराटन झील के पश्चिमी किनारे पर स्थित, यह एक प्रसिद्ध फ्लोटिंग टेम्पल है, और बाली आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मनोरंजक स्थान है। इसकी संरचना के अलावा, यहाँ का शांत वातावरण और पॉजिटिविटभ् आपके मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने के लिए एकदम सही हैं। इंडोनेशिया के बाली के सभी मंदिरों में से यह सबसे शांत मंदिरों में से एक है।

बेसकिह मंदिर

बाली के सभी हिंदू मंदिरों में से, बेसकिह यहां पर सबसे बड़ा और सबसे पवित्र मंदिर परिसर है। इसके प्रवेश द्वार से जो एक सीढ़ी की तरह लगता है जो आपको सीधे स्वर्ग में ले जाता है। यकीन मानिए, यहां का वातावरण आपको निश्चित रूप से विस्मय कर देगा! बाली, इंडोनेशिया के सभी मंदिरों में, यह निश्चित रूप से बाली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है।

शहर की भागदौड़ से ब्रेक चाहते हैं तो घूम आइए हिमाचल की इन जगहों पर

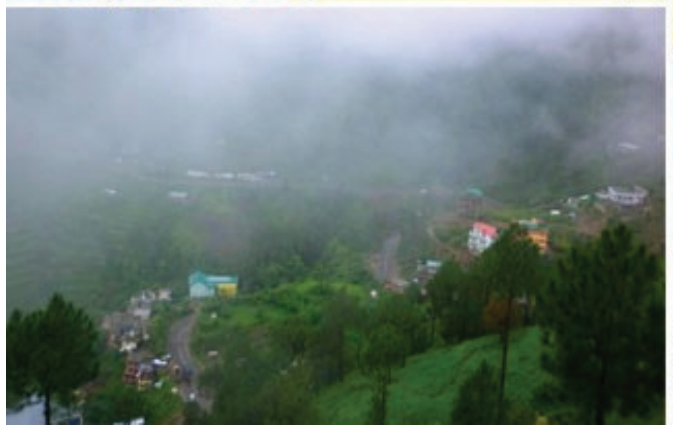

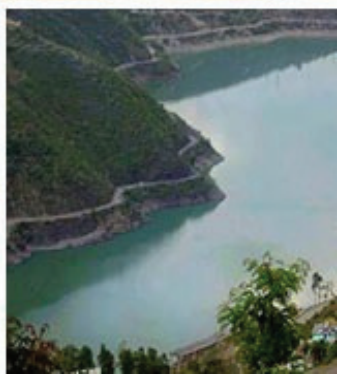

हिमाचल प्रदेश देश की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, शुद्ध और शांत वातावरण और प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों के लिए जाना जाता है। हिमाचल प्रदेश में बहुत से हिल स्टेशन हैं जहाँ देश-विदेश से लोग घूमने आते हैं। यहाँ के ऊंचे पहाड़, खुले हरे मैदान, प्राचीन मंदिर-मठ और नीले पानी की झील नदियाँ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर-गुल भरी ज़िंदगी से दूर यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों को शांति प्रदान करता है। आज के इस लेख में हम आपको हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशनों की जानकारी देंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को अपनी लिस्ट में ज़रूर शामिल करें-

शिमला

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ हिमाचल का सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशन भी है। 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह देश की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। शिमला का मॉल रोड, रिज, टॉय ट्रेन यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। शिमला में कई ऐतिहासिक मंदिर और इमारतें भी हैं जिसे देखने दूर-दूर से लोग यहाँ आते हैं। इस शहर की सुंदरता और शुद्ध वातावरण यहाँ आने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

मनाली

मनाली हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। मनाली हिमाचल के कुल्लू जिले का एक हिस्सा है और यह पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित है। समुद्र तल से 1950 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हिल स्टेशन अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है। यहाँ के हरे-भरे जंगल, फूलों से सजे मैदान और नदी में बहता ताज़ा पानी पर्यटकों को इस जगह से प्यार करने पर मजबूर कर देता है। यहाँ आकर पर्यटकों को सुकून मिलता है। इस हिल स्टेशन में कई मंदिर, संग्रहालय और प्रसिद्ध गाँव हैं। पर्यटक यहाँ पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों पर ट्रेक्किंग करते हैं और यहाँ की सुंदरता का आनंद लेते हैं।

धर्मशाला

काँगड़ा घाटी से 17 किलोमीटर दूर स्थित धर्मशाला हिमचाल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यहाँ के बर्फ से ढके धौलाधार पर्वत श्रृंखला इस जगह की खासियत हैं और इसे देश के सबसे खूबसूरत पर्यटक स्थलों में से एक है बनाते हैं। धर्मशाला को दलाई लामा के पवित्र निवास स्थान के रूप में भी जाना जाता है। इस शहर को अलग-अलग ऊंचाई के साथ दो हिस्सों में बाँटा गया है। इसके निचले हिस्से में धर्मशाला शहर और ऊपरी हिस्से को मैकलोडगंज के नाम से जाना जाता है। धर्मशाला में तिब्बती संस्कृति देखने को मिलती है और यहाँ बौद्ध धर्म के कई पवित्र स्थल हैं।

स्पीति घाटी

समुद्री तल से 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश की सबसे प्रसिद्ध जगहों में से एक है। यह घाटी चारों ओर से हिमालय से घिरी हुई है जो इस जगह को बेहद खास बनाते हैं। स्पीति घाटी में ठंडे रेगिस्तान, बर्फ से ढके पहाड़, घुमावदार सड़कें और सुरम्य घाटियाँ हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जगह यहाँ आने वाले पर्यटकों को उत्साह और रोमांच से भर देती है। स्पीति घाटी देश की सबसे ठंडी जगहों में से एक है और यह जगह साल के लगभग 6 महीने मोटी बर्फ से ढकी होती है।

कसौली

कसौली हिमाचल प्रदेश के सबसे मशहूर हिल स्टेशनों में से एक हैं। यह चंडीगढ़ से शिमला के रास्ते में स्थित एक छोटा सा पहाड़ी शहर है जो हिमालय पर्वत के निचले किनारों पर बसा हुआ है। हिमाचल के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित कसौली शहरों की भीड़ और चकाचौंध से दूर बसा हुआ एक शांतिपूर्ण शहर है। देवदार के सुंदर जंगलो के बीच बसा कसौली शहर अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई भव्य विक्टोरियन इमारतों के लिए मशहूर है। कसौली की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे हिमाचल के सबसे खास पर्यटन स्थलों में से एक बनाता है।

किन्नौर

शिमला से लगभग 235 किलोमीटर की दूरी पर स्थित किन्नौर हिमाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय हिल स्टेशनों में से एक है। यह जगह को लैंड ऑफ़ गॉड के नाम से प्रसिद्ध है। किन्नौर सतलुज, बसपा और स्पीति नदी के बीच स्थित है और यह जगह अपने हरे-भरे मैदानों और चट्टानी पहाड़ों की सुंदरता के लिए काफी मशहूर है। किन्नौर का किन्नर कैलाश पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है और यहाँ आए पर्यटक किन्नर कैलाश देखने जरुर जाते हैं। माना जाता है कि किन्नर कैलाश भगवान शिव और शिवलिंग का है और इसके साथ ही इस पर्वत का संबंध पांडवों की कहानियों से बताया जाता है। किन्नौर में कई पुराने बौद्ध मठ और मंदिर भी हैं जो बहुत पवित्र माने जाते हैं और इन्हें देखने दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं।

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है 'पचमढ़ी', घूमने के लिहाज से है बेहतरीन

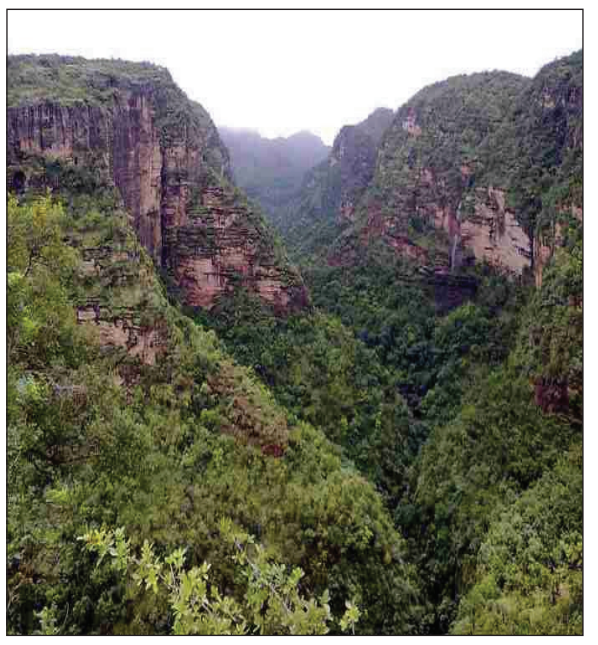

मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन, पचमढ़ी मध्य प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन है। इसे लोकप्रिय रूप से सतपुड़ा की रानी या क्वीन ऑफ़ सतपुड़ा कहा जाता है। यह हिल स्टेशन 1110 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा है। यह हिल स्टेशन भारतीय इतिहास में भी एक पौराणिक महत्व रखता है। माना जाता है कि यह पांडवों के निर्वासन के दौरान उनका निवास स्थान था। पचमढ़ी पर्यटन स्थलों में कई गुफाएं, झरने, पहाड़ियां, मंदिर और वन्यजीव अभ्यारण्य शामिल हैं जो मध्य प्रदेश के इस खूबसूरत हिल स्टेशन को पर्यटकों के बीच लोकप्रिय बनाते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पंचमढ़ी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देंगे -

पांडव गुफाएं

पचमढ़ी में घूमने के लिए पांडव गुफाएं सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। शानदार सतपुड़ा पर्वतमाला की पृष्ठभूमि के साथ, पांडव गुफा 5 रॉक-कट बौद्ध मंदिरों का एक समूह है। पौराणिक स्रोतों से पता चलता है कि पांडव अपने निर्वासन के दौरान इन मंदिरों में रुके थे, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। 9वीं शताब्दी में बने इन मंदिरों को सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सजाया गया है।

बी फॉल्स

बी फॉल्स, पचमढ़ी में स्थित एक खूबसूरत झरना है। इसे जमुना प्रपात के नाम से भी जाना जाता है। यह जलप्रपात पचमढ़ी घाटी के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराता है। यह झरना एक सुंदर भनभनाहट के साथ बहता है इसलिए इसे बी फॉल्स के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों के बीच, बी फॉल्स एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट के तौर पर प्रसिद्ध है। बी फॉल्स में लोग अक्सर तैराकी के लिए जाते हैं। रोमांच पसंद करने वाले लोग धारा को पार करके, बी फॉल्स के माध्यम से दूसरे स्नान कुंड रजत प्रपात तक पहुंच सकता है।

जटा शंकर गुफाएं

जटा शंकर गुफाएं, पचमढ़ी के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हैं। प्रचलित लोककथाओं के अनुसार, यह वह स्थान माना जाता है जहां भगवान शिव ने भस्मासुर के प्रकोप से खुद को छुपाया था। जटा शंकर गुफाएं एक विशाल चट्टान की छाया के नीचे एक प्राकृतिक शिवलिंगम का दावा करती हैं। इसके साथ ही, गुफा में पत्थर का निर्माण शेषनाग से मिलता जुलता है। वहीं, गुफाओं में चट्टान का निर्माण भगवान शिव के उलझे हुए बालों से मिलता जुलता है, इसलिए इसका यह नाम पड़ा।

धूपगढ़

धूपगढ़, सतपुड़ा श्रेणी का सबसे ऊँचा शिखर है, जिसकी ऊंचाई 1350 मीटर है। यह न केवल पचमढ़ी का उच्चतम बिंदु है बल्कि मध्य प्रदेश और मध्य भारत का उच्चतम बिंदु भी है। पचमढ़ी में सूर्यास्त देखना एक अद्भुत अनुभव है। इसके अलावा, यह स्थान एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी है। पर्यटकों के बीच, धूपगढ़ घूमने का सबसे अच्छा मौसम मानसून के दौरान होता है। बारिश के मौसम में यह स्थान बादलों से आच्छादित होता है।

बड़ा महादेव गुफा

बड़ा महादेव गुफा, पचमढ़ी से लगभग 10 किमी दूर स्थित है। यह भगवान महादेव का एक पवित्र तीर्थ है। यह 60 फीट लंबी गुफा है, जिसके अंदर भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान गणेश के भी मंदिर हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, बड़ा महादेव गुफा वह स्थान है जहां भगवान विष्णु ने एक दिव्य सौंदर्य मोहिनी का रूप लेकर राक्षस भस्मासुर का वध किया था। इसमें गुफा से लगातार पानी गिरता रहता है जो एक कुंड में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस कुंड में स्नान करने से कई बीमारियों का इलाज होता है।

रजत प्रपात

रजत प्रपात, पचमढ़ी का सबसे बड़ा जलप्रपात है। इस जलप्रपात का नाम रजत प्रपात इसलिए पड़ा क्योंकि जब इस पर सूरज की रोशनी पड़ती है तो यह चांदी के रंग में चमकता है। रजत प्रपात को 'सिल्वर फॉल' के नाम से भी जाना जाता है। यह झरना 107 मीटर की ऊँचाई से गिरता है। यह भारत का 30वां सबसे ऊंचा जलप्रपात है। रजत प्रपात को सतपुड़ा की रानी कहा जाता है।

भारत विरोधी गठजोड़ से चौकन्ना रहने की जरूरत

जनरल बिपिन रावत ने देश के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए जिस ढाई मोर्चे की बात की थी, उसकी ऑपरेशन सिंदूर के समय खूब चर्चा हुई, लेकिन इस आधे मोर्चे ने अब एक पूरे मोर्चे का रूप ले ले लिया है। यह सब जानते हैं कि पहले और दूसरे मोर्चे के रूप में पाकिस्तान और चीन हैं, लेकिन आधे से पूरा मोर्चा बन गए तीसरे मोर्चे की सच्चाई-गहराई से लोग अनजान ही अधिक हैं। इस मोर्चे में केवल अलगाववादी, माओवादी, खालिस्तानी और भारत को इस्लामी देश बनाने, गजवा-ए-हिंद करने का मुगालता पाले जिहादी और पाकिस्तान एवं चीनपरस्त तत्व ही नहीं हैं। इसमें राजनीति, सिविल सोसाइटी, अकादमिक, बौद्धिक जगत के साथ मीडिया, इंटरनेट मीडिया में सक्रिय लोग भी हैं और मतांतरण कराने वाली ताकतें भी। इनकी पहुंच शासन-प्रशासन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक है। इस मोर्चे में उन भारतीयों को भी गिनिए, जो विदेश में जा बसे हैं या फिर जो देश में ही रहकर अमेरिका, चीन या पाकिस्तान के एजेंडे की पैरवी खुले-छिपे ढंग से करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय इस देशघाती मोर्चे के एक बड़े हिस्से को अच्छे से नियंत्रित किया गया। माओवादियों के सफाए का अभियान जारी रहा, जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खात्मे के साथ उनके समर्थकों की धरपकड़ होती रही। बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया। पाकिस्तान के लिए काम करने वाले तत्वों की गिरफ्तारी भी होती रही, जैसे यूट्यूबर ज्योति, गजाला, नोमान, अरमान, तारीफ, सुखप्रीत सिंह आदि। ऐसे लोगों की गिनती करना कठिन है। पहलगाम की भयावह आतंकी घटना के बाद भी देश में सांप्रदायिक बैर देखने को नहीं मिला। खुद कश्मीरी मुसलमान आतंक के खिलाफ खड़े हुए। देश भर में एकजुटता दिखी। ऑपरेशन सिंदूर से पस्त पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां के मीडिया ने झूठ-कपट के सहारे कश्मीरी मुसलमानों के साथ सिखों को उकसाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। ऑपरेशन सिंदूर एक तरह का युद्ध था। युद्ध के समय सूचना युद्ध से भी लड़ना होता है। भारत ने फर्जी और झूठी खबरों के खिलाफ तो लड़ाई करीब-करीब अच्छे से लड़ी, लेकिन विदेशी मीडिया के झूठे नैरेटिव की काट में पर्याप्त सक्षम नहीं रहा। न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट, टेलीग्राफ, द इकोनमिस्ट, साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट, सीएनएन, बीबीसी, रायटर्स, ब्लूमबर्ग आदि के साथ पाकिस्तानपरस्त तुर्किये के टीआरटी और अलकायदा के भोंपू रहे कतर के अलजजीरा जैसे चैनल भारत के खिलाफ माहौल बनाते रहे। अब भी बना रहे हैं। इन्होंने बड़ी बेशर्मी से यह बताने की कोशिश की कि पाकिस्तानी सेना भारत पर भारी पड़ी। यदि ऐसा था तो वह अपने एयरबेस क्यों नहीं बचा पाई। न्यूयार्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट तबाह हुए पाकिस्तानी एयरबेस की सेटेलाइट इमेज देखकर मन मारकर यह लिखने को मजबूर तो हुए कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान को पस्त कर दिया, लेकिन उनके संग अधिकांश पश्चिमी मीडिया बिना प्रमाण यह ढोल बजाने से बाज नहीं आया कि भारत ने अपने विमान गंवा दिए। चलिए माना भी कि हमारे एक-दो विमानों ने नुकसान उठाया तो क्या यह सच नहीं कि हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को धूल चटाने के साथ तुर्किये एवं चीन के हथियारों और उनके डिफेंस सिस्टम की पोल खोल दी। यदि किसी निर्णायक मैच में कोहली या रोहित शर्मा के सस्ते में आउट होने के बाद भी भारत पाकिस्तानी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाकर आसानी से जीत जाए तो क्या कोई यह हेडलाइन बनाएगा- पाकिस्तान के सामने नाकाम रहे विराट-रोहित। पश्चिमी मीडिया पाक-चीन को शर्मिंदगी से बचाने के लिए ऐसा ही कर रहा है। हम ऐसी खबरों की हेडलाइन तो देखते हैं, लेकिन खबर-लेख लिखने वाले की पड़ताल नहीं करते और यह सोचने लगते हैं कि ये सब कह रहे हैं तो कुछ तो सच होगा ही। यह हमारा मनोबल तोड़ने, संशय में डालने वाला साइकोलाजिकल वार है। हमें यह मानना होगा कि इसका सामना करने में हम अभी पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय पश्चिमी मीडिया में भारत विरोधी अधिकांश खबरें-लेख लिखने वाले पाकिस्तानी ही थे। इनके लिखे की फैक्ट चेकिंग तो दूर रही, पुष्टि भी नहीं की गई। नतीजा स्काई न्यूज पीटीवी के हवाले से और पीटीवी स्काई न्यूज के जरिये बता रहा था कि भारत के दो विमान मार गिराए गए। पश्चिमी मीडिया ने यह सर्कुलर गेम खूब खेला। वहां तमाम भारत विरोधी खबरें भारत को नापसंद करने वाले अमेरिकियों, यूरोपीयों के साथ भारतीय भी लिखते हैं। भारत विरोधी और वामपंथी एजेंडे वाली द इकोनमिस्ट का डिफेंस एडिटर एक भारतीय ही है, जो भारत को कमतर बताने में लगा रहा। देश-विदेश में ऐसे ह्वाब्राउन सिपाहियोंङ्क की कमी नहीं। इन्हें भारत का कुछ भी नहीं भाता है। इसका कारण वैचारिक कट्टरता, सनक भरे लिबरलिज्म के साथ भारत के प्रति दुराग्रह और व्यावसायिक हित भी हैं। पश्चिमी मीडिया की बात कौन करे, अपने कुछ अंग्रेजी अखबार चीन सरकार के विज्ञापन बिना किसी शर्म-संकोच छापते हैं। आखिर चीन या पश्चिमी देशों के पैसे पर पलने वाला देसी-विदेशी मीडिया भारत के हित की बात कैसे लिखेगा। भारत विरोधी मोर्चे का हिस्सा बना देसी-विदेशी मीडिया यह बताने को भी उतावला रहता है कि मोदी के पीएम बनने के बाद भारत में मुसलमानों पर आफत टूट पड़ी है। क्या वाकई वे भारत से भाग रहे हैं। बांग्लादेशी-रोहिंग्या तो घुसे चले आ रहे हैं और बड़े-बड़े वकील उन्हें देश में अच्छे से रहने-बसने देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खुलवाने में सक्षम हैं। इससे इनकार नहीं कि बड़ी आबादी वाले भारत में हिंदू-मुस्लिम के बीच बैर, तनाव, हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं। कभी मुस्लिमों के साथ कुछ हिंदू गलत करते हैं और कभी कुछ मुस्लिम हिंदुओं के साथ, लेकिन क्या ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि में मुस्लिम-ईसाई भाईचारे के तराने गाते रहते हैं।

दुनिया को समझना होगा भारत का 'न्यू नॉर्मल'

ANALYSIS

✍ डॉ. आशीष वशिष्ठ

अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन, उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए और भारत ने जो विध्वंस आपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी। भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी-बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दयाभावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेताया कि अगर हमारे भारत की ओर आंख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन प्रधानमंत्री ने आदमपुर एयर बेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं, अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे-तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिए। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन, उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए और भारत ने जो विध्वंस आपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आर्तकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी। भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी-बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दयाभावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू-इंदिरा के शासन में फली-फूली 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन, पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि प्रधानमंत्री मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने ना केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरुद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा। पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है। यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया, जिसका परिणाम संपूर्ण विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किए, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किए और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोंस, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत्त कर डाला। पाकिस्तान में फलने- फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन-मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया गया कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्ययोजना बनाई और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन, इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

भारत की वाटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान पोषित और प्रेषित आर्तकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल संधि को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है, जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी हैं। इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल संधि के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसद हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया, उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति-नीति का समझा जा सकता है। नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत का संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दशार्ता है। 2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षा बलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था, सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है। अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है। भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल संधि को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तजा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था, जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था, लेकिन इस नोटिस में सिर्फ बदलावों के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की समीक्षा करने की भी बात की थी। इसमें सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि सीमा पार से आतंकवाद इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन, पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है। 15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यह संधि अभी निरस्त ही रहेगी। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में साफ कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं। सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बानू मुश्ताक की 'हृदय दीपा' या 'हार्ट लैंप' के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतना कन्नड़ साहित्य और भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह गर्व की बात है कि हाशिये की कहानियां, जब ईमानदारी से कही जाती हैं, तो दुनिया को प्रभावित कर सकती हैं। बानू मुश्ताक और दीपा भास्थी को मेरी हार्दिक बधाई, जिनके अनुवाद ने इन आवाजों को वैश्विक दिलों तक पहुंचाया।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मैंने अप्रैल 2022 में ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर झारखंड और छत्तीसगढ़ में होने वाले शराब घोटाले के संदर्भ में आगाह किया था। सरकार ने मेरे पत्र और चेतावनियों को न सिर्फ नजरअंदाज किया बल्कि छत्तीसगढ़ के शराब माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए झारखंड में हजारों करोड़ रुपये के शराब घोटाले को अंजाम देने में सहयोग भी किया। उन्हीं शराब माफिया के खर्चे पर हेमंत सरकार की पूरी कैबिनेट ने रायपुर दौरे का लुत्फ उठाया। अब जब छत्तीसगढ़ में कार्रवाई हो रही है और मामला ईडी और सीबीआई तक पहुंच गया है, तब झारखंड में एसीबी द्वारा की जा रही जांच पर भला कैसे भरोसा किया जा सकता है?

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकिस्तान में सुलग रहा विभाजन का लावा

दुनिया में आर्तकिस्तान के नाम से कुख्यात पाकिस्तान की धरती में इस समय विभाजन का लावा सुलग रहा है। यह अलग बात है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आखिरकार युद्ध विराम हो गया, इससे पाकिस्तान खुश हो सकता है, पर इस दौरान उसकी सरजमीं में ऐसा बहुत कुछ घटा है कि बलूचिस्तान उसके हाथ से फिसलता नजर आ रहा है। इस युद्ध विराम के बाद फिर पुराने सवाल उठने लगे हैं कि क्या आतंक को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर विश्वास किया जा सकता है। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पूर्व में ऐसा कहने के बाद भी हर बार पाकिस्तान की ओर से कश्मीर में आतंकी घटनाएं की जाती रही हैं। पहलगाम में आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद हुई भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान पस्त हो गया। पाकिस्तान सरकार की ओर से युद्ध विराम के बारे में कहा गया कि इस समय पाकिस्तान को बचाने की जरूरत है। इस कथन का स्पष्ट आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अगर युद्ध जारी रहता तो पाकिस्तान नाम का देश इस धरती पर नहीं रहता। इसलिए पाकिस्तान ने अपने देश को बचाने के लिए ही यह रास्ता चुना। अमेरिका ने इस मामले में दखल देते हुए दोनों देशों के बीच सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से हमेशा यही कहा गया कि भारत आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अपना अभियान चला रहा है। इस मामले में विश्व के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े होते दिखाई दिए, वहीं पाकिस्तान अकेला हो गया। इससे पाकिस्तान निराश हो गया। इसके अलावा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी माना जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर ग्रे सूची में आने का खतरा बढ़ता जा रहा था। एफएटीएफ की ओर से पाकिस्तान का ऐसी चेतावनी भी दे दी गई थी। अगर पाकिस्तान ग्रे सूची में आता तो उस पर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे, जो पाकिस्तान के हित में नहीं होते। इस समय पाकिस्तान के अंदर ही अंदर जो लावा सुलग रहा है, उससे उसे बचने का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा है। भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान ब्लूचिस्तान ने अपनी आजादी की लड़ाई को जारी रखते हुए पाकिस्तान की सेना को अपना निशाना बनाया। यानी पाकिस्तान एक तरफ भारत से लड़ाई लड़ रहा था, वहीं दूसरी ओर उसे अपने ही देश में ब्लूचिस्तान की ओर से कड़ी चुनौती मिल रही थी। पाकिस्तान का आरोप है कि ब्लूचिस्तान को भारत भड़का रहा है। इसे सच नहीं माना जा सकता, क्योंकि ब्लूचिस्तान यह लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। अभी कुछ महीने पहले ही बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की ट्रेन को हाईजैक कर-के पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। अब यही कहा जा सकता है कि ब्लूचिस्तान शायद ही पाकिस्तान में रहे। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या पाकिस्तान विभाजन के रास्ते पर चल रहा है, क्योंकि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भी ऐसी ही स्थिति दिखाई देती है। कई विश्लेषक यह दावा कररहे हैं कि पाकिस्तान चार टुकड़ों में विभाजित हो जाएगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही देश की जनता के निशाने पर हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना और सेना के साथ कदम मिलाने वाले आतंकी संगठन सरकार के युद्ध विराम वाले निर्णय से नाखुश हैं। इसका परिणाम क्या होगा, यह तो आने वाला समय ही बताने में समर्थ होगा। लेकिन यह पाकिस्तान की वास्तविकता है कि युद्ध जैसी स्थिति बनने के बाद सेना और आर्तकियों ने सरकार के समक्ष गंभीर संकट पैदा किया है। इस बार जंग के हालात पैदा करने के लिए पाकिस्तान की जनता सरकार और सेना प्रमुख को ही पूरी तरह से दोषी मान रही है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने पहलगांव की घटना से तीन दिन पूर्व कहा था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ कभी नहीं रह सकते। भारत का कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है। सेना प्रमुख का यह बयान मुसलमानों को भड़काने जैसा ही था। इसलिए पहलगांव की घटना को इसी बयान की प्रतिक्रिया स्वरूप माना जा रहा है।

सोच पर पहरा

एक ज्यादती भरी कार्रवाई में रविवार को अशोक यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सोनीपत में दो अलग-अलग प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गई थीं। ये एफआईआर ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गईं। पहले पोस्ट में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिक कारणों को विश्लेषित किया गया, चूंकि उसे सेना के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी शासन से निपटना था, जिसने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए गैर-राज्य कताओं की आड़ में छिपने की कोशिश की है। इसमें यह भी जिक्र किया गया कि कैसे भारत की प्रेस वाताओं में मुस्लिम सैन्य अधिकारियों को शामिल किए जाने से देश की बहुलवादी दृष्टि प्रदर्शित हुई, भले ही यह उस सांप्रदायिक वास्तविकता के विपरीत हो, जिसका सामना हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमान कर रहे हैं। दूसरी पोस्ट में संघर्षविराम के बाद कुछ नेटिजेन्स की युद्ध के लिए अंध रक्तपिपासा की निंदा की गई और साथ ही दलील दी गई कि युद्ध से सिर्फ दुनिया के सैन्य-औद्योगिक संकुल को लाभ होता है तथा हिंदू व इस्लामी, दोनों धर्मग्रंथों में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष में धीरज व संयम ही सद्गुण हैं। उनके पोस्टों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। ये एक समावेशी भारत के लिए सीधे-सादे और देशभक्तिपूर्ण आह्वान थे तथा इस समझ को जाहिर करते थे कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा समर्थित वृहत आतंकी बुनियादी ढांचे के बीच फर्क मिटाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मजबूर हुआ है। हरियाणा पुलिस का कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की उन शिकायतों पर आधारित था, जिनमें कहा गया कि ये पोस्ट वदीधारी महिलाओं के लिए अपमानकारी तथा भारत सरकार के लिए बुरी मंशा वाली थीं। यह सरासर झूठ है और अगर हरियाणा पुलिस ने इन पोस्टों को पढ़ने और उनके भीतर के स्पष्ट संदेशों को समझने की जहमत उठायी होती, तो इन शिकायतों पर कार्रवाई के लिए उसे कुछ खास आधार नहीं मिलता।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

India strikes, Trump blinks: Tale of two powers

TWO developments in the last 10 days — first, the swift punishment to Pakistan in Operation Sindoor and India's diplomatic measures earlier; second, the recall of high tariffs by the US on China — will affect global realignments.India met the strategic objectives of the operation, which included the destruction of Pakistan's terrorist infrastructure; setting up a new deterrence against terror attacks; inflicting considerable damage to Pakistan's key airbases and establishing military superiority and ability to strike wherever it wanted.

Without crossing the LoC or the International Border, India launched missiles and drones on May 7 at Pakistan's nine terror bases, some deep inside the country, in a calibrated, measured and responsible manner, hitting its targets with few civilian casualties.Pakistan's Air Defence (AD) system failed to intercept the missiles. More than 100 terrorists, including some top leaders of the Lashkar-e-Taiba, Jaish-e-Mohammed and Hizbul Mujahideen such as Abu Jundal, Hafiz Muhammed Jameel, Khalid and Mohammed Hassan Khan, were killed in the strikes. Their close links with the Pakistan army were visible as senior army officials attended their funeral.

When Pakistan tried to launch missile and drone attacks against Indian airbases on the night of May 7-8, the multi-layered Indian AD system comprising the indigenous Akashteer, Akash missiles, air defence guns, Russian S-400 and Israeli Barak 8 easily neutralised Pakistan's Chinese, Turkish and indigenous missiles and drones.As a result, the Indian airfields, logistic installations and military infrastructure remain largely unaffected by the enemy's retaliation.

The ISRO's 10 satellites working round the clock played a stellar role in informing the Indian armed forces about the enemy's positions, military infrastructure and bombing attempts.

India's Brahmos missiles were able to bomb the Sargodha airport near Rawalpindi by confusing its radars with pilotless aircraft. It sent shockwaves in the neighbouring Kirana hills that house Pakistan's nukes and the Pakistan army headquarters in Rawalpindi.The Indian satellites could see the blind spots in the Chinese and American AD systems, including radars, and Indian missiles struck those positions with pinpoint accuracy. That is when Pakistan got alarmed and contacted its American friends and the Chinese 'iron brother'.

The Brahmos caused massive damage to a number of other Pakistani airbases, too, including those at Chaklala, Bholari and Jacobabad (near another nuke site in Chagai Hills), destroying a Pakistani AWACS parked at Bholari. Indian military officials have shown satellite images of these damages in public briefings.Pakistan, China and American lobbies have made considerable efforts to portray the success of the Pakistani bombing efforts by alleging that Pakistan had hit five Indian fighter aircraft, including three Rafales, one Mirage and one Sukhoi, in its initial raids, but they have not been able to present any corroborating evidence.India dominated the air space and maritime theatre, with aircraft carrier Vikrant and other accompanying ships positioned at a comfortable distance from the Karachi port.

After the ceasefire, PM Narendra Modi told Pakistan that Operation Sindoor had only been paused. Any further terror attack by Pakistan would be considered an act of war by India and India would retaliate at a time and place of its choosing. He added that India would not accept Pakistan's nuclear blackmail and the Indus Waters Treaty would remain in abeyance till Pakistan ceased cross-border terrorism against India.India can draw multiple lessons from this operation. First, that future wars will be more technology driven and India must stay ahead of its adversaries in the adoption of new technologies, training and networking of different platforms. Second, Pakistan's nukes are no barrier to a conventional war. Three, India must send more satellites for full scanning of the military infrastructure of its adversaries and establish a robust GPS.China plans to send 300 satellites by 2030 in low orbits for high-resolution images. India must become more atmanirbhar in every field by pursuing research, innovation and new technologies.

Indian Navy stood tall in Operation Sindoor

The Indian maritime services deployed a powerful task force within hours of the Pahalgam terror attack

OPERATION Sindoor has served as a compelling demonstration of India's growing military capabilities in several key areas. The technical means to acquire intelligence of targets deep inside the opponent's territory; to strike them with long-range missiles with pinpoint accuracy — all the while maintaining a multi-layered, impervious air defence of its own assets. This capacity for waging "non-contact warfare", using guided weapons and unmanned aerial vehicles (UAVs) without ground troops or air forces crossing borders, marks a paradigm shift in warfare.In this context, maritime power has, historically, specialised in employing strategies that aim to achieve political objectives through their presence and "non-contact" force projection rather than by engaging in direct combat. Decades ago, Admiral Sergey Gorshkov (Commander-in-Chief, Soviet Navy, 1956-85) had described the perennial utility of naval power: "Demonstrative actions by the fleet, in many cases, have made it possible to achieve political ends without resorting to armed action, merely by application of pressure and threat of military operations."

The Indian Navy's (IN) 2015 maritime strategy offers, in detail, various options for potential force projection. These include maritime strikes with carrier-borne aircraft or long-range weapons like the ship-launched BrahMos, or the ship/submarine-launched Klub land-attack missiles. In order to apply "strategic leverage, including economic and psychological pressure", the strategy also envisages disruption/denial of the adversary's use of the sea for military purposes and maritime trade.The IN, while drawing up its contingency plans for Operation Sindoor in coordination with sister services, would have taken note of Pakistan's maritime vulnerabilities stemming from its geography, relatively limited naval capabilities and economic dependence on key coastal infrastructure.Pakistan's 1,000-km-long coastline, stretching mostly across the troubled province of Balochistan, hosts just a handful of ports. Of these, only Karachi, Port Qasim and Gwadar handle merchant ship traffic, while Ormara is a naval base and the rest are fishing harbours. Pakistan's economy, already strained, relies heavily on maritime trade, mostly through Karachi and Port Qasim. Disruption of shipping traffic to and from these ports, even temporarily, can cause a significant impact on Pakistan's economy, industry and military operations, apart from affecting public wellbeing and morale.

As far as naval strength goes, the IN is a diverse and substantial force organised into two fleets, each fielding an aircraft carrier and a cohort of missile-armed destroyers and frigates as well as fleet support vessels. India's submarine force of nuclear and diesel-powered submarines is strategically deployed on both seaboards. The Pakistan Navy (PN) is relatively smaller and lacks many of these key assets.

While the IN aspires to play the role of a blue-water navy, with power-projection capabilities across the Indian Ocean and beyond, the PN's focus is primarily on coastal defence and maintaining credible maritime deterrence against India through a strategy of "sea denial". Although the past few decades have seen both navies growing in size and capabilities, the IN has managed to retain its significant edge.In the 1971 war, India's maritime power had played a key role in the outcome of the operations in both theatres of war. In the west, it had undertaken two attacks with ship-launched surface-to-surface missiles, inflicting attrition on the PN and heavy damage to the Karachi port, bringing its operations to a halt. In the eastern theatre, the IN's carrier-borne aircraft had ranged far and wide over East Pakistan and inflicted heavy damage on ports, shipping and riverine traffic. The trauma of this conflict has lingered in the Pakistani psyche, and PN units did not venture forth during Operation Sindoor.

Today, a major advantage accrues to the IN from its comprehensive capability for "maritime domain awareness". This is a dynamic framework that receives inputs from satellites, aircraft, UAVs, ships and coastal radars to compile a real-time operational picture of all activities at sea in the region. The availability of "situational awareness" on a 24x7 basis in all three dimensions enables the IN to keep track of the adversary's moves and respond with alacrity to any suspicious activity. The PN lacks a similar facility.

"Naval compellence" has, historically, been a useful instrument of state policy to influence the behaviour of others and force an adversary to do something he does not want to do, or to stop him from doing something that he intends to do. This is achieved by the deployment of coercive sea-based forces, which may or may not involve actual violence.During media briefings by the three armed forces, the Director General of Naval Operations announced that within hours of the Pahalgam terror attack, the IN had deployed a powerful task force composed of destroyers, frigates and submarines, led by the aircraft carrier, INS Vikrant, in the Arabian Sea, south of Karachi. Posing a serious challenge in numbers and capability to the Pakistani fleet, this force established a de facto blockade, confining PN units to their harbours. Units of the task force are understood to have conducted live missile firing drills to revalidate crew readiness and ensure operational preparedness of units.

From its location in international waters, where it could have remained poised for prolonged periods, the IN carrier group acted as a force for "compellence". Through rapid deployment and strategic positioning of overwhelming maritime power, India confined Pakistan's navy to harbour, disrupted its maritime operations and reinforced its dominance in the Arabian Sea.The IN task force had ample firepower to target ships, harbours and shore facilities with missiles having a range up to 300-450 km at sea. But the Navy, true to its sobriquet of the "Silent Service", has not said so.

A win for the environment

SC verdict overruling post-facto environmental clearances underlines that sustainable development is not a zero-sum game

Environment clearances are guardrails that ensure developmental projects do not injure ecosystems, wildlife and natural resources and harm people's health. One of the defining elements of the Environmental Impact Assessment (EIA) Rules of 2006, these screenings were meant to enable policymakers to strike the right balance between the imperatives of development and sustainability. The precautionary principle behind this provision has, however, been substantially undermined in the past eight years. In 2017, the Ministry of Environment, Forest and Climate Change issued a notification that allowed developers to obtain an environmental clearance after beginning work on a project. The notification provided a one-time window to defaulters to comply with due procedure. However, in the process, it inaugurated a regime of post-facto clearances, which was consolidated in 2021 when the Centre issued an Office Memorandum (OM) to

"identify" and "handle" violation cases. Now, the Supreme Court has called out the government for "going out of its way… to protect those who harm the environment". On May 16, a two-judge-bench struck down the 2017 notification and the 2021 OM.

The verdict is not the first time that the SC has admonished the Centre for diluting the EIA. In Common Cause vs Union of India (2017), a two-judge-bench ruled that the government had committed "serious lapses" in allowing large-scale mining to be "carried on without forest and environmental clearances". Such "violations of laws and policy need to be prevented," it underlined. Three years later, in Alembic Pharmaceuticals vs Rohit Prajapati, the Court held that post-facto clearances go against the "fundamental principles of environmental jurisprudence", and that they were an "anathema to the EIA notification". Then, in January last year, the SC stayed the 2021 OM. However, as an analysis by this newspaper in February revealed, the regulatory laxity precipitated by the 2017 notification allowed more than 50 defaulting projects to go unpunished — coal, iron and bauxite mines, steel and iron factories, cement plants and limestone quarries were approved without proper scrutiny of their impacts on people's health and ecology.

Why the world ignored role of Turkiye in Indo-Pak conflict

Op Sindoor has shown that global powers, even while backing India diplomatically, may turn a blind eye to the Pak-Turkiye partnership

THE four-day intense standoff between India and Pakistan during Operation Sindoor was marked by violations and aerial assaults along the International Border, redefining red lines and pushing the two countries to the brink of war. Amid the fog of mounting tensions, an unexpected actor emerged to strengthen the Pakistani hand — Turkiye. Pakistan and Turkiye have long had close relations, with Ankara regularly supporting Islamabad on Kashmir. But this time, the proximity was far more specific, and, more importantly, hostile to India.

With drone warfare becoming a defining feature of the conflict, Ankara's fingerprint on Islamabad's Operation Bunyan Ul Marsoos became harder to ignore. Indian military briefings confirmed that Pakistan had launched nearly 400-500 drones into the Indian airspace. As many as 350 of them were reportedly of Turkish origins. They reportedly include Bayraktar TB2, a medium-altitude long-endurance tactical UAV, Byker YIHA III kamikaze drones, and Asisguard Songar-armed drones.

What makes the Turkish role more concerning is the inclusion of the Songar-armed drones in Pakistan's aerial toolkit. Unlike the Bayraktar TB2 or YIHA kamikaze drones, which were recorded in Pakistan's arsenal in 2022 and 2023, respectively, there is no public record of the Songar being transferred to Pakistan. Songar is Turkiye's first indigenously made armed drone system and it has been with the country's military since 2020. Media reports of 2022 suggest the drones were sold to three unnamed countries in the Asia-Pacific and Africa regions.However, publicly available data about Pakistan's UAV inventory does not specifically mention the Songar, suggesting that this sale was likely fast-tracked in the brief window between the April 22 Pahalgam attacks and the May 7 Operation Sindoor launch.During this period, several interactions between Turkiye and Pakistan were recorded. Pakistan Prime Minister Shehbaz Sharif was in Turkiye on the day of the terrorist attack in Pahalgam. On April 27, as tensions began escalating along the Indo-Pak border, a Turkish C-130 Hercules jet reportedly landed in Karachi. While

Turkiye has dismissed it as a routine refuelling stop and categorically denied the use of the plane for sending arms, the timing and parallel Turkish support for Pakistan through this conflict have raised significant doubts. This was followed by the visit of a high-level delegation led by Turkish intelligence chief to the Pakistan air force headquarters on April 30. Finally, the TCG BUYUKADA, a Turkish naval warship, arrived at the Karachi port on May 5 and remained docked till May 7.These developments suggest that the Turkish support went beyond the symbolic messaging of solidarity from the leadership and was a deliberate effort to bolster Pakistan's military capability and deterrence against India.However, a report by India Today published after the ceasefire has added a concerning layer to the Turkish involvement. The report, quoting unidentified sources, suggests that two Turkish military operators, who helped Pakistan coordinate drone attacks on India after May 7, were reportedly killed during Operation Sindoor.

While neither Turkiye nor Pakistan have confirmed this, the embedding of Turkish military advisers in a combat operation reveals an alarming edge of their military partnership and compels New Delhi to review Ankara's role in the recent standoff and recalibrate its approach.

Turkiye's ability to bolster Pakistan's military posture without direct accountability reflects a broader involvement in their global engagements. Both countries have managed to straddle competing power blocs for their own interests. Nowhere is this more visible than in the two countries'simultaneous engagements with the US, China and Russia.Islamabad and Ankara have long leveraged their geographical positioning in South Asia and West Asia to become indispensable assets in varying engagements of these superpower rivals.

Pakistan became a key player for the US in 2001 with its operations in Afghanistan. Since then, the US has provided Pakistan with military equipment, including tanks, surveillance radars, fighter jets, missiles and drones. When the US halted defence sales to Pakistan, China emerged to fill the vacuum. As Islamabad's all-weather ally, Beijing has expanded Pakistan's arsenal with a steady supply of weapons, many of which were used in the recent standoff against India.

Turkiye, a NATO member, is a major American partner in the region, housing strategic American military bases and receiving key military equipment, including fighter jets, tanks, ships and other hardware. At the same time, Turkiye has managed to diversify its military partnerships by getting its hands on the Russian S-400, a sophisticated surface-to-air missile system. Finally, Turkiye is also a member of the Chinese Belt and Road Initiative and a part of the "Silk Road Economic Belt" route that travels through Central Asia, Iran and Europe.

Due to these parallel engagements, many argue that the US-Turkiye partnership had hit an all-time low, but with Donald Trump back at the White House, this partnership has received a new impetus.Despite Turkiye's overt role in the Indo-Pak standoff, Washington has reaffirmed its defence ties with Ankara by announcing a $350-million missile sale just days after the ceasefire between India and Pakistan. This should definitely be a cause of concern for New Delhi, especially in light of the growing military cooperation between Turkiye and Pakistan.Operation Sindoor has not only bared the depth of the Turkiye-Pakistan military partnership but also shown that global powers, even while backing India diplomatically, may turn a blind eye to this partnership to suit their own strategic calculi.

Sensex jumps 700 points despite global headwinds. What's driving the rally?

New Delhi. Benchmark stock market indices rallied sharply on Tuesday morning, defying weak global cues and a massive bout of foreign selling. The BSE Sensex jumped 687.83 points to 81,874.27 by 10:18 am, while the NSE Nifty50 surged 214.15 points to 24,898.05.

The broad-based rebound came after Monday's steep fall and was driven by value hunting in mid- and smallcap stocks, even as global investors remained wary due to rising bond yields and a US credit rating downgrade.Yet, domestic investors appear to be shrugging off the noise, with analysts pointing to increased value hunting and contrarian bets as key drivers of the rally.

"The recent market correction, particularly in mid- and smallcaps, has brought the index to a critical trendline support level. We're seeing signs of a hidden bullish divergence forming, which could spark a near-term reversal," said Aditya Gaggar, Director at Progressive Shares. He noted key levels for the Nifty at 24,900 on the upside and 24,535 on the downside, with Bank Nifty resistance at 55,700 and support at 54,550.The bounce also comes after a phase f profit booking that analysts say was overdue. Technical indicators had been stretched, and the correction helped normalise conditions, creating a setup for selective buying.Despite Monday's massive FII outflow of over Rs 10,000 crore—a sharp reversal from their May buying spree—analysts say the domestic outlook remains constructive."Yes, the FII sell figure was a jolt, but the fundamentals haven't deteriorated," said Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit. "We're still seeing the effects of strong Q4 earnings, moderating inflation, and the possibility of another RBI rate cut, all of which are supportive for equities in the medium term."

Accenture promotions: 15,000 India staff finally get nod, says report

New Delhi. Accenture will promote nearly 50,000 employees worldwide in June this year, according to a report by Bloomberg News. This decision comes after the company delayed its usual round of promotions by six months due to a slowdown in demand for consulting services.

The global consulting and technology firm, which is headquartered in Dublin, had initially planned to roll out promotions in December 2024. But the move was pushed to June 2025 as the company faced weaker demand and uncertain business conditions.

INDIA TO SEE HIGHEST NUMBER

Out of the 50,000 promotions, about 15,000 will take place in India. This makes India the country with the highest number of staff being promoted this time. According to the internal memo seen by Bloomberg, the company will also promote 11,000 employees across the Europe, Middle East and Africa region, and another 10,000 across the Americas.Accenture currently employs about 801,000 people around the world, as per its latest earnings report. That means about 6% of the company's global workforce will be promoted this June.

SHIFT IN PROMOTION TIMING

The company's decision to delay promotions was part of a broader plan to manage costs during a time of falling demand. Like other large consulting firms such as McKinsey and Ernst & Young, Accenture hired heavily during the pandemic when demand for digital services was high. However, in recent times, business has slowed, forcing the company to take cost-cutting steps.In 2023, Accenture reduced its workforce by around 19,000 employees to adjust to lower client spending. Other firms have also made similar decisions. Bloomberg earlier reported that Deloitte is also planning job cuts in its government consulting team.

Gensol's books under review: NFRA launches preliminary probe

New Delhi. The National Financial Reporting Authority (NFRA) has started a preliminary inquiry into the financial records of Gensol Engineering after fraud allegations surfaced. This was confirmed by NFRA chief Ravneet Kaur during an event on Tuesday.Ravneet Kaur, who also heads India's competition regulator, said that the inquiry was launched following a reference made by the Securities and Exchange Board of India (Sebi). This step marks a widening of the ongoing investigation into the company, which began last month with Sebi's report.In April, Sebi took action against Gensol Engineering and its promoters, brothers Anmol Jaggi and Puneet Jaggi. The market regulator barred the two from accessing the stock markets and called for a forensic audit into the affairs of the company. Sebi's interim report suggested misuse of funds and poor corporate governance.According to the report, Gensol had borrowed Rs 977.75 crore from lenders. Out of this, Rs 663.89 crore was meant for buying 6,400 electric vehicles (EVs) that were to be leased to BluSmart, a related company. However, Gensol admitted in its response to Sebi in February that only 4,704 EVs had been purchased. This raised questions about where the rest of the loan amount had gone.

ROLE OF AUDIT BODIES

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) is also looking into the matter. Last month, ICAI President Charanjot Singh Nanda said the institute would examine Gensol's financial statements and statutory audit reports for the financial year 2023-24. The ICAI will also review the financial records of BluSmart.If ICAI's Financial Reporting Review Board finds that the financial statements are not "true and fair", the case could be forwarded to the ICAI's disciplinary committee. This could lead to action against the company's auditors.Since the release of Sebi's interim report on April 15, Gensol's shares have fallen by more than 40% in the last month. On Tuesday, the shares closed at Rs 70.99 apiece on the BSE.

Crisil projects 7–9% growth for India's auto component industry in Fy25

CHENNAI. India's automotive component sector is expected to register 7–9 percent revenue growth this fiscal, mirroring last year's performance, driven by sustained demand from two key segments — two-wheelers (2Ws) and passenger vehicles (Pvs), particularly utility vehicles, which together account for nearly half of the industry's total revenue, according to rating agency Crisil Ratings.The aftermarket segment — sales of auto components as spares or replacements — which contributes at least 15 percent of the industry's total revenue, is also expected to grow steadily at 5–7 percent, according to a recent report by the rating firm.

The report further notes that moderate growth in commercial vehicle and tractor sales — which collectively contribute around 17 percent of industry revenue — will provide an additional boost to overall growth.However, weak demand for new vehicles in the US and Europe, which together represent about 60 percent of India's auto component exports, could act as a dampener, the report cautions.

Operating margins in the sector are projected to remain stable at 12–12.5 percent this fiscal, supported by the increasing share of high-margin components such as automated driver assistance systems (ADAS) modules, infotainment systems, and advanced braking systems. A decline in input costs — particularly of steel (45–50% share in input costs), aluminium (15–20%), and plastics (10–12%) — used for structural rigidity, weight reduction, and interiors, will further support profitability. However, the imposition of new tariffs could erode margins for companies heavily reliant on US exports, Crisil warns.Continued high capital expenditure will be funded primarily through internal accruals. Alongside tight control over working capital, this will limit dependence on external borrowing, keeping credit profiles stable.

An analysis by Crisil Ratings, covering automotive component makers that accounted for nearly 35 percent of the sector's total revenue of approximately ₹7.9 lakh crore last fiscal, supports this outlook. However, demand trends are expected to vary across the three key segments served by component manufacturers — original equipment manufacturers (OEMs), the aftermarket, and exports.

"Demand from automotive OEMs, which contribute two-thirds of total revenue, is expected to grow 8–9 percent this fiscal, with value growth outpacing volume growth due to rising safety, emission, and electronic content, especially in PVs and 2Ws," said Poonam Upadhyay, Director, Crisil Ratings."The aftermarket segment will post steady 6–7 percent growth, supported by an ageing vehicle base. Export growth, however, is expected to moderate to 7–8 percent amid weak demand for internal combustion engine vehicles and a slowdown in electric vehicle (EV) adoption across the US and Europe," she added.While the US contributes only about 5% to total industry revenue, it commands a significant 28 percent share of export earnings and is currently the fastest-growing export market for auto components. The proposed 25% tariff by the US could significantly impact companies with high exposure to that market.

Banks take 67% haircut in 1,194 insolvency cases yielding resolution

New Delhi. Lenders have recovered Rs 3.89 lakh crore against admitted claims of Rs 12 lakh crore through resolution plans under the Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) till March 2025, resulting in a recovery rate of 33%. This means on average bankers have taken a haircut of 67% from CIRPs which yielded in resolution. However, the recovery is 163% of the total liquidation value (Rs 2.30 lakh crore) of the companies which got resolved through insolvency resolution process.

The total number of insolvency cases yielding resolution plans rose to 1,194 by March 2025, up from 947 in FY2023-24. At the end of FY24, the total recovery was to the tune of Rs 3.36 lakh crore.Of the 1,194 cases, lenders in 172 cases had admitted claims exceeding Rs 1,000 crore.

While these large corporate debtors owed creditors Rs 10.24 lakh crore, the fair value of their assets at the time of entering CIRP was only Rs 1.95 lakh crore. Creditors in these cases realised 33.89% of their admitted claims, but 177.61% of the liquidation value.While a 67% haircut raises serious question over the efficacy of the IBC, the insolvency regulator – Insolvency and Bankruptcy Board of India (IBBI) – has says that the recovery amount does not account for potential future recoveries such as proceeds from personal and corporate guarantees, equity value, or avoidance transaction recoveries.

It further says that significant portion of resolved case (40%) were previously defunct or with the erstwhile Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR). In these cases, claimants realised just 19.03% of their admitted claims, though they achieved 151.92% of the liquidation value.On the liquidation front, 2,758 cases ended in liquidation as of March 2025. Of the total cases, 214 involved admitted claims exceeding Rs 1,000 crore, but had asset values of merely Rs 0.46 lakh crore, according to IBBI newsletter.

India well-positioned to negate impacts of US tariff: Moody's

NEW DELHI. India is well positioned to deal with the negative effects of US tariffs and global trade disruptions due to its large domestic economy and low dependence on exports, Rating agency Moody's has said in a recent report.It says that government initiatives to boost private consumption, expand manufacturing capacity and increase infrastructure spending will help offset the weakening outlook for global demand. It says that India's limited reliance on the trade of goods and its robust service sector are mitigants to US tariffs"India-made goods may even benefit from increased US demand if trade talks lead to lower tariffs on India compared to other emerging markets," it says in its report released on Wednesday.

According to it, homegrown demand shields nonfinancial companies against tariffs. Further, infrastructure development and favorable demographics would underpin the businesses of India's nonfinancial companies.

"Significant government investments will boost sectors such as construction, mining and manufacturing, while urbanization and a young population will fuel demand for housing and consumer goods. However, sectors with exports, like automotives, are exposed to global trade challenges, despite diversified operations," it says.It highlighted the fact that India's sound banking market and stable credit conditions underscore its economic strength despite global volatility. However, it feels a deterioration in global economic and credit conditions can have knock-on effects.

"Easing inflation offers the potential for interest rate cuts to further support the economy, even as the banking sector's liquidity facilitates lending," says Moody's.

It further says that India's banking sector is poised to weather potential turbulence. Healthy profitability and strong capitalization drive the credit strength of Indian banks, it says, adding that domestic conditions remain favorable because of government capital spending, tax cuts and monetary easing.

On the Pakistan-India tensions, it says the recent flare-up between the two nations would weigh on Pakistan's growth more than on India's.

Leela Hotels IPO details: Check price band, GMP, subscription and listing date

New Delhi. The IPO action on Dalal Street seems to have picked up pace as 2 IPOs are open for bidding this week and 3 will open next week. One of the three IPOs opening next week for subscription is Leela Hotels, aiming to raise Rs 3,500 crore through a book-built issue.

This comes at a time when Dalal Street has been performing well, with Sensex and Nifty having seen gains in the last month.Leela Hotels plans to raise Rs 2,500 crore by issuing 5.75 crore fresh shares. In addition to this, 2.30 crore shares will be sold by existing shareholders, bringing in Rs 1,000 crore through the offer for sale route.

Leela Hotels IPO will open for bidding on May 26, 2025 and will close on May 28, 2025. Price band for the IPO has been set between Rs 413 and Rs 435 per share.

The minimum lot size for retail investors is 34 shares. This means that the minimum investment at the lower end of the price band would be Rs 14,042. If an investor bids at the higher end or the cut-off price of Rs 435, the minimum investment would come to around Rs 14,790.

Small non-institutional investors are required to apply for at least 14 lots or 476 shares, which works out to Rs 2,07,060. For large non-institutional investors, the minimum application size is 68 lots or 2,312 shares, amounting to Rs 10,05,720.

Several investment banks are working as the book-running lead managers for this IPO. These include JM Financial, BofA Securities India, Morgan Stanley India, J.P. Morgan India, Kotak Mahindra Capital, Axis Capital, Citigroup Global Markets India, IIFL Securities, Motilal Oswal Investment Advisors, and SBI Capital Markets. Kfin Technologies is the registrar for the public issue.After the IPO, the market capitalisation of Leela Hotels is expected to be Rs 10,155.36 crore.

The latest grey market premium for the Leela Hotels IPO was Rs 15 per share, as of 21 May 2025 at 1:28 PM. Based on the highest end of the price band, which is Rs 435, the estimated listing price is Rs 450 per share. This reflects an expected gain of around 3.45% if the stock lists at that level.Allotment is likely to be finalised on May 29, 2025. The shares of Leela Hotels are expected to be listed on the BSE and NSE on June 2, 2025, which is the tentative listing date.

'Biggest scam': Bengaluru CEO on India's silent middle-class salary crisis

In a LinkedIn post, PeepalCo Group CEO Ashish Singhal called India's middle-class salary stagnation amid soaring costs "the biggest scam no one talks about".

New Delhi. Is India's middle class living a lie? That's the question Bengaluru-based entrepreneur Ashish Singhal is putting on the table and it has sparked a wave of online introspection.In a LinkedIn post, the Group CEO of fintech firm PeepalCo called out what he termed "the biggest scam no one talks about": stagnant middle-class salaries in a time of soaring costs and growing inequality."This isn't a collapse. It's a well-dressed decline," he wrote on LinkedIn, arguing that the illusion of financial stability is being held together by EMIs, credit cards, and compromised dreams.

Singhal's frustration is rooted in hard numbers. Over the past decade, Indians earning between Rs 5 lakh and Rs 1 crore annually—a group typically defined as middle-income—have seen their incomes grow at a meagre 0.4% CAGR. In contrast, food prices alone have surged nearly 80% over the same period, while inflation has chipped away at real purchasing power.

And yet, the facade holds. Middle-class households are still flying once a year, buying the latest smartphones, and making EMI payments. But behind this aspirational image is a growing economic squeeze: skipped savings, postponed doctor visits, and the constant mental math of affordability."The poor are being supported. The rich are scaling. The middle class is just expected to absorb the shock—in silence," Singhal noted.His post comes at a time when India's middle class, already under chronic financial stress, is staring down fresh threats. AI is beginning to disrupt white-collar jobs, and political focus continues to remain tilted toward welfare schemes or big-ticket growth metrics, leaving a key economic engine under-addressed.Singhal said this isn't just a crisis of cash flow, but a crisis of recognition. Middle-class Indians form the backbone of consumption, savings, and tax revenue, yet their concerns rarely make policy headlines.

According to estimates, India's middle class made up 31% of the population in 2021 and is projected to grow to 38% by 2031 and nearly 60% by 2047. But despite this demographic momentum, there's little evidence of corresponding gains in economic security or upward mobility.Instead, real wage growth has stagnated, EMIs are ballooning, and lifestyle inflation is pushing many families into debt-funded consumption. Credit card usage is up, healthcare costs are rising, and urban affordability is eroding—quietly, steadily.The question Singhal is raising cuts deeper than just earnings data. It's about the silent erosion of economic dignity in a group that's long been celebrated for its resilience, and increasingly ignored.

Interim bail for Ashoka professor over Op Sindoor post after court's 'publicity' rap

Ali Khan Mahmudabad of Ashoka University was arrested last week after his social media post on Operation Sindoor was perceived as critical of the armed forces.

New Delhi. The Supreme Court on Wednesday granted interim bail to Ashoka University Professor Ali Khan Mahmudabad over his controversial post on Operation Sindoor but refused to stay the investigation into the case. While granting the interim relief, a bench of Justice Surya Kant and Justice NK Singh blasted the professor for the timing of his remarks, calling it "dog whistling" and an attempt to get "cheap publicity".

"We direct the petitioner be released on interim bail... Having regard to the contents of two alleged offending online posts, we are satisfied that no case for staying the investigation is made out," the court said.

COURT DIRECTS SIT FORMATION

The court also directed the Haryana top cop to constitute within 24 hours a Special Investigation Team (SIT) comprising senior IPS officers for a further probe. However, the court said the officers should not be from Haryana or Delhi and one should be a woman."To understand the complexity and for proper appreciation of the language used in the post, we direct DGP Haryana to constitute a SIT comprising three IPS officers who do not belong to Haryana or Delhi," the bench further said.

IMPOSES RESTRICTIONS

The court also imposed certain conditions on Mahmudabad, barring the professor from posting or making any speech on the case.

He also cannot make any remarks in connection to the Pahalgam terror attack and the subsequent hostilities between India and Pakistan. The court also ordered the professor to surrender his passport.Mahmudabad was arrested on May 18 and was sent to 14-day judicial custody by a Haryana court on Tuesday.

His post was perceived as critical of the military and disrespectful to the women officers, Colonel Sofia Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh, who led the media briefings on Operation Sindoor.

'RIGHT TO FREE SPEECH FINE, WHERE IS THE DUTY?'

During the hearing, the Supreme Court, however, didn't mince any words while pulling up the professor, saying his remarks amount to "dog-whistling" and he should have used "neutral and respectful" language."The entire projection is that he is anti-war, saying families of Army people, civilians in border areas suffer. But some words have double meanings also," the court said.The court said while everyone had freedom of speech, such occasions (during India-Pakistan tensions) should not be used to garner publicity.

Population of Asiatic lions in Gujarat see over 32% rise, reveals 2025 census

New Delhi. The population of Asiatic lions in Gujarat rose from 674 to 891 as per the 2025 census, Chief Minister Bhupendra Patel said. The new figures mark a rise of 217 lions, or an increase by over 32% in their numbers, over five years following the last census conducted in 2020.The 16th Asiatic lion census was conducted over four days from May 10 to 13, covering 35,000 square kilometres across 11 districts of Gujarat, PTI reported.

The exercise was carried out in two phases. A preliminary survey took place on May 10 and 11, followed by the final population count on May 12 and 13.Around 3,000 volunteers, including regional, zonal and sub-zonal officers, enumerators, assistant enumerators and inspectors, participated in the operation, according to an official release.

The census covered 58 talukas across the districts of Junagadh, Gir Somnath, Bhavnagar, Rajkot, Morbi, Surendranagar, Devbhoomi Dwarka, Jamnagar, Amreli, Porbandar and Botad.

Asiatic lions, a distinct sub-species, are found only in Gujarat's Gir National Park and the surrounding districts.

This edition of the five-yearly lion census, first conducted in 1936, used closed-circuit television (CCTV) surveillance for the first time along with traditional direct sighting methods. The Direct Beat Verification (DBV) method, also known as the block count method and used since 2000, was also employed.

Centre can reclaim land declared waqf under waqf-by-user principle, court told

New Delhi. The Centre on Wednesday told the Supreme Court that it was legally empowered to reclaim properties that are declared waqf under the contentious 'waqf-by-user' principle. Presenting his arguments a day after the Muslim side made their submissions, Solicitor General Tushar Mehta asserted that nobody could claim right over government land.

"Nobody has the right over government land... There is

a Supreme Court judgment which says the government can save the property if it belongs to the government and has been declared as waqf," Mehta said.

The 'waqf-by-user' provision, which has been done away with in the new law, allows a property to be treated as waqf based on its long-term use for religious and charitable purposes, even without formal documentation.

Mehta's assertion came as the Supreme Court was hearing petitions challenging the Waqf law, which expands government oversight in regulating waqf properties.

Court orders appointment of domestic violence Protection officers within 6 weeks

NEW DELHI. The Supreme Court on Tuesday mandated all states and Union Territories to appoint designated Protection Officers within six weeks in order to improve the enforcement of the Protection of Women against Domestic Violence (DV) Act.

The bench, comprising Justice BV Nagarathna and Justice Satish Chandra Sharma, took note of the lack of appointed Protection Officers in many regions and issued clear instructions for states and UTs to designate "one officer of the Women and Child Development Department or the Social Welfare Department at every District and Taluka level" under the Act.

The Protection Officers are the first point of contact for women subjected to physical, mental, sexual, or financial violence within the family. These officers are responsible for ensuring appropriate action, initiating legal proceedings, and monitoring the safety and welfare of the affected women.

Despite the DV Act being in force for two decades, its implementation remains uneven across the country.

The issue stems from several states assigning the responsibilities under the DV Act to officials already handling the Integrated Child Development Scheme (ICDS), which includes child welfare and protection duties. Senior advocate Shobha Gupta, representing the NGO "We the Women," argued that these officers are overburdened and unable to manage the workload, leaving vulnerable women and children unsupported.

"Designating ICDS or Anganwadi workers as PO will not be enough," Gupta submitted.

While various state governments cited logistical challenges such as recruitment, training, and funding as obstacles to appointing dedicated officers, Justice Nagarathna noted, "Maybe it's an ideal long-term situation that a cadre may be created, but we cannot say someone else cannot come and help in the meantime."

The Court also directed the Central Government and the National Legal Services Authority (NALSA) to support the Act's enforcement. The bench instructed NALSA's Member Secretary to coordinate with state and UT legal services authorities to publicise the availability of free legal aid and advice for vulnerable women at the district and taluka levels.

India's Banu Mushtaq wins International Booker Prize for 'Heart Lamp'

New Delhi. Indian author Banu Mushtaq and translator Deepa Bhasthi won the International Booker Prize for fiction Tuesday for "Heart Lamp," a collection of 12 short stories written over a period of more than 30 years and which chronicle the everyday lives and struggles of women in southern India.The award was announced by bestselling Booker Prize-longlisted author Max Porter in his role as chair of the five-member voting panel, at a ceremony at London's Tate Modern.

It is the first time the award has been given to a collection of short stories. Bhasthi is the first Indian translator — and ninth female translator — to win the prize since it took on its current form in 2016. Mushtaq is the sixth female author to be awarded the prize since then.

Written in Kannada, which is spoken by around 65 million people, primarily in southern India, Porter praised the "radical" nature of the translation, adding that "It's been a joy" to listen to the evolving appreciation of the stories by members of the jury.

"These beautiful, busy, life-affirming stories rise from Kannada, interspersed with the extraordinary socio-political richness of other languages and dialects," said Porter. "It speaks of women's lives, reproductive rights, faith, caste, power and oppression."

The book, which beat five other finalists, comprises stories written from 1990 to 2023. They were selected and curated by Bhasthi, who was keen to preserve the multilingual nature of southern India in her translation.

Mushtaq, who is a lawyer and activist as well as writer, told a short-list reading event on Sunday that the stories "are about women – how religion, society and politics demand unquestioning obedience from them, and in doing so, inflict inhumane cruelty upon them, turning them into mere subordinates."

The 50,000-pound ($66,000) prize money is to be divided equally between author and translator. Each is presented with a trophy too.The International Booker Prize is awarded every year. It is run alongside the Booker Prize for English-language fiction, which will be handed out in the fall.

Lawyers Unwilling To Work During Vacations, Blame Judiciary: Chief Justice

New Delhi. Chief Justice of India B R Gavai on Wednesday said lawyers don't want to work during vacation but the judiciary is blamed for the backlog of cases.A bench comprising Chief Justice B R Gavai and Justice Augustine George Masih got miffed when a lawyer urged listing of a petition after the summer vacation.

"The first five judges are sitting through the vacation and continuing to work, yet we are blamed for the backlog. In reality, it is the lawyers who are unwilling to work during the vacations," the CJI said.

Recently, the top court issued a notification on the benches that will function during the upcoming summer vacation, rechristened as "partial court working days", from May 26 to July 13.

Significantly, there will be two to five vacation benches sitting during the partial court working days and even top five judges, including the CJI, will be holding courts during this period.

According to earlier practice, there used to be only two vacation benches during the summer vacation, and senior judges were not supposed to hold courts.The notification outlined the weekly allocation of justices across benches.From May 26 to June 1, the CJI, Justices Suryakant, Vikram Nath J K Maheshwari and B V Nagarathna will be heading the five benches respectively.During this period, the supreme court registry will remain open from 10 am to 5 pm for all officers and staff.The registry will be closed on all Saturdays (except July 12), Sundays, and public holidays.

India's Operation Sindoor outreach starts, 2 delegations head to Japan, UAE

New Delhi. As India's Operation Sindoor global outreach starts today, two delegations led by Sanjay Jha and Shrikant Shinde are scheduled to leave today. Sanjay Jha's delegation will depart for Japan at 11.40 AM, while Shrikant Shinde's delegation will leave for the UAE at 9 PM.Foreign Secretary Vikram Misri briefed the members, MPs and former parliamentarians of three of the seven all-party delegations. The delegations will leave for foreign capitals to convey India's strong stand against Pakistan-sponsored terrorism.

"While India is committed to peace, it will not tolerate any terror attacks on its soil and will hit back as part of its "new normal", Misri told them, according to sources.

JD(U) leader Sanjay Jha, who is leading a delegation to Japan, Singapore, South Korea, Malaysia, and Indonesia, told reporters after the briefing that their message to global leaders would be that "India has decided enough is enough." He said Pakistan has repeatedly acted like "a thief asked to probe his own crime" whenever India trusted its assurances on taking action against terrorism.Shiv Sena MP Shrikant Shinde, heading the delegation to the UAE and several African nations, said they would present evidence of Pakistan's involvement in terror attacks not just in India but abroad, highlighting its role in crimes against humanity.

Congress leader and former Union minister Salman Khurshid, who is part of the delegation led by Jha, clarified that the decision to halt military actions was taken mutually by India and Pakistan, with no third-party mediation - countering US President Donald Trump's earlier claim.

Commenting on the briefing, Khurshid said, "There was no interference by anyone (in understanding between India and Pakistan), there was no mediation. But when such things happen in the worlds different people try to send a message. But whatever has happened, has happened only between the two nations. When the matter escalated, it was between our two nations. When it ended, it ended between the two nations. It was initiated by the Pakistan DGMO, they said that we should end this. We said that it should be done if they are ready."

Who is Banu Mushtaq, Kannada writer who made history with International Booker?

Banu Mushtaq scripted history by becoming the first Kannada writer to win the coveted International Booker Prize. With this achievement, Mushtaq now joins an elite list of Indians who have won the coveted prize since its inception in 1969 -- including V.S. Naipaul, Salman Rushdie, Arundhati Roy, Kiran Desai, Aravind Adiga, and Geetanjali Shree.

New Delhi. In a historic achievement for Indian literature, 77-year-old Kannada writer, lawyer, and activist Banu Mushtaq has bagged the prestigious International Booker Prize for her short story collection, Heart Lamp.Mushtaq scripted history by becoming the first Kannada writer to win the prestigious prize. The anthology -- a collection of 12 stories -- chronicles the everyday struggles of Muslim women in Karnataka, spanning three decades from 1990 to 2023.

In her acceptance speech, Mushtaq, hailing the stories of the women she poignantly portrayed in her work, said, "This is not just my victory, but a chorus of voices often left unheard."

Deepa Bhasthi, who translated the collection into English, was also awarded the International Booker Prize alongside Mushtaq.

With this achievement, Mushtaq now joins an elite list of Indians who have won the coveted prize since its inception in 1969 -- including V.S. Naipaul, Salman Rushdie, Arundhati Roy, Kiran Desai, Aravind Adiga, and Geetanjali Shree.

WHO IS BANU MUSHTAQ?

Hailing from Karnataka's Hassan, Mushtaq wrote her first short story in middle school. She took the writing world by storm when her first story was published at the age of 26 in a popular Kannada magazine, Prajamata.

According to her profile on The Booker Prize platform, she has authored six short story collections, a novel, an essay collection and a poetry collection.

In an interview with the Booker Prize Foundation, Mushtaq revealed that she drew her inspiration from the Dalit movement, farmers' movement, language movement, women's struggles, environmental activism in the seventies while growing up in Karnataka.

"My direct engagement with the lives of marginalised communities, women, and the neglected, along with their expressions, gave me the strength to write. Overall, the social conditions of Karnataka shaped me," she was quoted as telling the Booker Prize Foundation.

When questioned about her work, Mushtaq told the Booker Prize Foundation that she doesn't engage in "extensive research" as she draws inspiration from real-life interactions. "...my heart itself is my field of study," she said.

A champion of women's rights, Mushtaq was inspired and moved by stories of women who came up to her for help. She has also raised her voice against religious and caste oppression.

NEWS BOX

Pakistanis came to India to create problem: Ethiopian envoy on Pahalgam attack

world. In a rebuke of cross-border terrorism, Ethiopian Ambassador to India, Fesseha Shawel Gebre, condemned the April 22 terror attack in Pahalgam, Jammu and Kashmir, attributing full responsibility to Pakistan. The assault, which left 26 civilians dead, was carried out by Pakistan-backed terrorists, sparking outrage both within India and amongst its international partners.

Speaking to ANI, Ambassador Gebre praised India's composed yet firm response, calling it "very responsible" and underscoring the shared values between Ethiopia and India in the global fight against terrorism. "It is not Indians who went to Pakistan to create a problem; it is the Pakistanis who came to India to create a problem," he said, directly calling out Islamabad's involvement."The terrorists were identifying people with religion. This is terrible This is unacceptable," Gebre stated, expressing concern over the targeting of civilians based on their faith.

The Ambassador further revealed that an Indian delegation is expected to visit Ethiopia by the end of May to brief on the incident. "Like India, Ethiopia is also fighting terrorism in East Africa," he added, expressing solidarity with India's counterterrorism efforts.

The April 22 terror attack, executed by Pakistan-backed terrorists, prompted India to launch 'Operation Sindoor' on May 7, targeting nine terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK).

'No permission needed': Iran's supreme leader Khamenei slams US nuclear demands

world. Iran's Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei on Tuesday dismissed US criticism of Tehran's nuclear program, asserting that Iran does not need permission to enrich uranium and calling American statements "nonsense."

"They say, 'We won't allow Iran to enrich uranium.' That's way out of line," Khamenei declared during a memorial for the late President Ebrahim Raisi, who died in a helicopter crash last year. "No one in Iran is waiting for their permission. The Islamic Republic follows its own policies — and will stick to them.""For the Americans to say, 'We won't allow Iran to enrich uranium,' is utter nonsense. We aren't waiting for anyone's permission. The Islamic Republic has certain policies, and it will pursue them," Khamenei wrote on X (formerly Twitter).

Khamenei's remarks come amid ongoing indirect talks between Iran and the US, though he expressed doubt about their outcome."Yes, indirect negotiations were held during Raisi's time too, just like now," he said. "But they didn't go anywhere — and we don't expect much from the current ones either. Who knows what will happen?"

Foreign Ministry spokesman Esmaeil Baghaei told the state-run IRNA news agency that "no definitive decision has been made about the next round of negotiations," adding that "the Islamic Republic of Iran is reviewing the matter while considering the U.S. side's contradictory and constantly changing positions."

Nottoway Plantation fire unearths deep pain over enslavement of Africans

world. A fire engulfed the historic Nottoway Plantation in White Castle, Louisiana on May 15, 2025, leaving behind only ashes and a storm of public reaction. The mansion, built in 1859 by sugar planter John Hampden Randolph with the forced labor of enslaved Africans, was the largest remaining antebellum house in the American South.

At over 53,000 square feet, it had long stood as both a historic site and a lightning rod for controversy over its romanticized portrayal of slavery-era wealth.

As flames consumed the towering white pillars and grand verandas—once used to host weddings and luxury events—video footage quickly spread across social media and news platforms.

For some, the destruction was a loss of architectural heritage. For many others, particularly Black Americans, it represented long-overdue justice and a symbolic end to a legacy of oppression.

Memes and celebratory posts flooded the internet. One clip of the fire set to Usher's "Let It Burn" went viral, while others added ASMR-style sound design to the crackling wood. In a widely shared post, historian Mia Crawford-Johnson shared a grinning selfie from across the river, writing, "Went and watched Nottoway Plantation burn to the ground!"

While fire officials confirmed the blaze was likely caused by an electrical fault and found no signs of arson, the emotional impact ignited intense debate.

Preservationists mourned the loss, citing the skill of the enslaved craftspeople whose work had been erased in the fire. But critics pointed to how the plantation had for years downplayed its brutal origins, often omitting or sugarcoating the experiences of those who were enslaved there.

Dr Andrea Livesey, a historian who visited Nottoway in 2019, noted that the site's museum offered just a single placard on slavery, one that disturbingly claimed enslaved people were "treated well for the time." As of this writing, the plantation's official website makes no mention of either its enslaved history or the fire that destroyed it.

US intel indicates possible Israeli attack on Iranian nuclear facilities: Report

world. New US intelligence indicates that Israel is preparing to strike Iranian nuclear facilities, multiple American officials familiar with the matter have said, CNN reported. However, it was not clear whether Israeli leaders had made a final decision.Officials stated that they are not certain that Israel has decided to attack yet. Inside the US government, there are different opinions about whether Israel will actually go ahead with a strike, the report claimed. The decision may depend on how Israel views the ongoing talks between the US and Iran about Iran's nuclear program.

"The chance of an Israeli strike on an Iranian nuclear facility has gone up significantly in recent months. And the prospect of a Trump-negotiated US-Iran deal that doesn't remove all of Iran's uranium makes the chance of a strike more likely," one source familiar with the intelligence said as quoted by CNN.

The US believes that Israel may be preparing for military action. This involves weapon mobilisation and wrapping up air force exercises. But others stated that these movements may be mere pressure tactics from Israel to make Iran abandon its nuclear project.

AMID RISING TENSIONS, WILL US-IRAN TALKS WORK?

President Donald Trump has threatened to take military action, which the US is prepared to do, if the talks on Iran's nuclear program are not successful. Trump has set Ayatollah Ali Khamenei, Iran's leader, a 60-day deadline for progress in the talks. It is more than 60 days now since that deadline was set.

A high-level Western diplomat reported Trump said the US would only allow a few more weeks for the talks before resorting to military action as reported by CNN. However, the current official US position is to prioritise diplomacy.

TEHRAN STRUGGLES AMID SANCTIONS AND STRIKES

Iran is now weaker than ever. Its air defences and missile factories were bombed by Israel in October. Sanctions and damage to the Iranian allies also weakened the country. US officials report that Israel regards this as an opportunity to act.

The US is stepping up intelligence activities to aid Israel if it attacks. A source familiar with the Trump administration, however, said the US likely won't assist Israel in attacking Iran's nuclear facilities unless Iran creates a significant provocation, the report added.Israel can't defeat Iran's nuclear program alone. It requires US assistance, including midair refuelling for its aircraft and high-yield bombs that can penetrate deep underground.

For now, negotiations between the US and Iran are at stuck. The US demands that Iran suspend uranium enrichment, which is applicable to the production of nuclear weapons yet also applicable for civilian use. Steve Witkoff, the US envoy leading the talks, said, "We cannot allow even 1% of an enrichment capability" in any deal.

No growth, just loans: Pakistan seeks $4.9 billion from world after securing IMF deal

world. Pakistan's economy grew by just 2.68% in the fiscal year 2024-25, falling short of its target of 3.6%, according to a report by ARY News. The report came after a meeting of the National Accounts Committee, led by the Secretary of Planning.

According to ARY News, the report was revealed during a meeting of the National Accounts Committee, chaired by Pakistan's Secretary of Planning. The meeting revealed that the country's economic output reached USD 411 billion, with per capita income increasing to USD 1,824. Sector-wise performance varied, with agriculture growing by 1.8 per cent during the first three quarters, while the industrial sector declined by 1.14 per cent.

Notably, the services sector posted a strong growth of 39 per cent between July and March, as per ARY News. In parallel, Pakistan is preparing to raise USD 4.9 billion in external commercial financing for the next fiscal year (FY2025- 26), according to sources familiar with the matter. As part of its financing plan, the government intends to secure USD 2.64 billion in short-term loans from commercial banks at expected interest rates of 7-8 per cent, without strict conditions or performance benchmarks, as per ARY News.

An additional USD 2.27 billion is also expected to come through long-term borrowing arrangements from commercial banks. Efforts are underway to tap four major international banks. This includes a proposal to obtain USD 1.1 billion from the Industrial and Commercial Bank of China (ICBC), along with USD 500 million each from Standard Chartered Bank and Dubai Islamic Bank.

Meanwhile, the International Monetary Fund (IMF) has set a goal for Pakistan to increase its foreign reserves to USD 13.9 billion by the end of June. The State Bank of Pakistan currently holds around USD 14 billion, which is enough to cover three months of imports.

This month, Pakistan's central bank cut its key policy rate by 100 basis points to 11%, citing an improved inflation outlook and resuming a series of cuts from a record high of 22%, following a brief pause in March, to support growth.

The latest national accounts aggregates for fiscal 2024/25 showed the size of the economy at 114.7 trillion rupees ($410.96 billion) up from 105.1 trillion rupees ($ 371.66 billion), the committee said.Pakistan's manufacturing sector growth slowed to a seven-month low in April, with the HBL Pakistan Manufacturing Purchasing Managers' Index (PMI) easing to 51.9 from 52.7 in March, weighed by concerns over global trade.

Joe Biden went a decade without prostate cancer screening, his office confirms

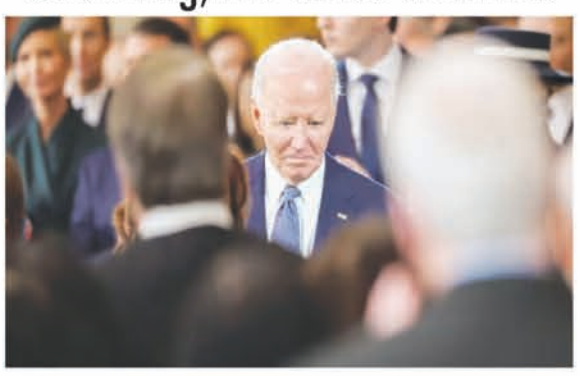

world. Former US President Joe Biden had not received a test for prostate cancer, known as a PSA, for more than a decade before he was diagnosed with an advanced form of the disease last week, a spokesperson said on Tuesday.The latest comments from the former Democratic president's camp come amid questions from Republicans and some health professionals about why his cancer was not caught before reaching an advanced stage.

Biden, 82, has also faced broader questions about whether he and his allies withheld critical information from the American public about his ability to serve in the White House. A new book, "Original Sin," details widespread concerns about Biden's mental acuity amongst aides as he pursued reelection last year.

"President Biden's last known PSA was in 2014," the Biden spokesperson said on Tuesday. "Prior to Friday, President Biden had never been diagnosed with prostate cancer."A PSA test, or prostate-specific antigen test, is a blood test that is used to screen for prostate cancer.Some health professionals consulted by Reuters expressed surprise at the diagnosis given that most prostate cancers are detected at an earlier stage and that presidents undergo thorough health monitoring.

Still, others said it is not unusual to discontinue testing for prostate cancer in older patients because the test is less reliable in that age group. Prostate cancer has a much higher survival rate than most other cancers.

In 2012, the US Preventive Services Task Force recommended against PSA-based screening for prostate cancer in men of all ages. The task force reversed the recommendation in 2017, advising against screening for men older than 70.Biden, who ultimately abandoned his reelection bid and left office in January, was in his early 70s at the time of his 2014 screening.

"It is very reasonable to discontinue PSA screening at age 72, regardless of health status, or significantly decrease the frequency of screening," said Dr. Scott Eggener, a urologic cancer specialist and professor of surgery at the University of Chicago.Biden's office said he had been diagnosed on Friday with "aggressive" prostate cancer that had spread to his bones. Cancers that have spread, or metastasised, are considered stage 4, the most advanced.

Trump deports dozens of Asian migrants to South Sudan in violation of court order

world. The Trump administration has violated a federal court order by deporting at least a dozen migrants to South Sudan without giving them a chance to contest their removal, according to attorneys and a US District Judge.

The deportations, revealed in an emergency court motion on Tuesday, targeted Vietnamese and Burmese nationals, some of whom do not speak English fluently and had little to no understanding of the legal proceedings against them.

US District Judge Brian Murphy, who previously barred the administration from deporting migrants to third countries without written notice and a meaningful opportunity to object, expressed serious concern in court. "Based on what I have been told, this seems like it may be contempt," Murphy said, addressing a Justice Department attorney during a tense hearing in Boston.

The emergency motion details how one Burmese client was quietly removed to South Sudan despite limited English proficiency and no clear communication from authorities. Another Vietnamese migrant "appears to have suffered the same fate," according to the filing. Attorneys believe at least 10 more migrants were deported in the same manner.The deportations occurred in violation of Murphy's earlier injunction, which was issued to prevent swift and potentially dangerous transfers of migrants to countries other than their own, particularly when those countries pose risks of torture or persecution.

Attorneys are now demanding that the court order the return of those deported and take immediate steps to block future violations.The development underscores a renewed confrontation between the federal judiciary and Republican President Donald Trump's administration, as it pushes forward with mass deportations central to his hardline immigration agenda.

OnlyFans in crosshairs: Sweden criminalises purchase of custom sexual content

Sweden has banned the purchase of custom-made sexual content on platforms like OnlyFans, criminalising remote paid sex acts under its prostitution laws. Pre-made content remains legal; law takes effect July 1.

world. In a step to update its prostitution laws for the digital age, Sweden has passed a new law criminalising the purchase of custom-made sexual content online, including that on platforms like OnlyFans. The law, which comes into effect on July 1, targets "on-demand" sex acts for money — even if performed remotely."This is a new form of sex purchases, and it is high time that we modernise the Sex Purchase Act," said Social Democrat MP Teresa Carvalho, who backed the bill that passed with a large majority in parliament.

The law explicitly criminalises paying for a person to perform a sexual act in real-time on request, while still allowing users to buy or view pre-made videos and material legally. It also prohibits profiting from or promoting such performances, in line with Sweden's broader legal framework that criminalises buying sex but not selling it.

"The idea is that anyone who buys sexual acts performed remotely should be penalised in the same way as those who buy sexual acts involving physical contact," explained Justice Minister Gunnar Strmmer to Svenska Dagbladet.

Sweden already prohibits paying for sex, with violators facing up to one year in prison. Swedish law penalises buyers while protecting sex workers. Pimping, for example, carries a four-year prison sentence.According to the New York Post, the move is similar to the SESTA/FOSTA law passed in the United States under the Trump administration, which similarly cracked down on digital facilitation of sex work. "It mirrors SESTA/FOSTA in its impact on online sex workers, limiting platforms and income," said Yigit Adin, activist at the European Sex Workers' Rights Alliance, speaking to Netzpolitik.org.

NEWS BOX

If I was MS Dhoni, I would say enough: Sanjay Bangar on CSK legend's retirement

New Delhi. Sanjay Bangar feels it is time for MS Dhoni to move on from the IPL after CSK loss to RR in Delhi on Tuesday, May 20. Dhoni's retirement from the IPL has been a topic of discussion over the past few years with the CSK legend himself being coy about the idea.Dhoni has always taken the 8-month gap after the IPL to see if his body is fit for another IPL season and said that he hasn't decided anything when it comes to the 2026 season. Speaking to ESPNCricinfo, Bangar said that if he was in Dhoni's shoes, he would call it a day after playing enough cricket and looking after the interests of the franchise.

The former India batting coach feels that there will never be an ideal time to retire if Dhoni is thinking that the transition for CSK will happen in his presence. Bangar said that the legendary wicketkeeper should make peace with the fact that the franchise will develop on its own even if he isn't there."I mean, it all boils down to MS, but if I was MS, I would say enough. I've played whatever I wanted to play. I've looked after the interests of the franchise as well, if there is any, if that was the motivation, but you know, you move on.""If you're thinking that the transition will happen fast, there's never an ideal time to pick. So you might as well have peace with the fact that, OK, even if I leave now, the franchise will develop on its own. Maybe it will take a year longer, but I'm not going to be here for the entire cycle. So that's how I would look at MS' position if I was in that position," said Bangar.

Dhoni's IPL 2025 campaign so far

In the 13 matches he has played in IPL 2025, Dhoni has scored just 196 runs at a strike-rate of 135.17. Often the legendary wicketkeeper has come way down the order and even at No.9 during a match as CSK have struggled this season.

IPL 2025: Amidst heavy showers in Mumbai, Jayawardene hopes new IPL rule will help MI

Mumbai Indians head coach Mahela Jayawardene expressed hope that the IPL's extended match window will help avoid rain disruptions as the team gears up for a crucial do-or-die clash against Delhi Capitals.

New Delhi. Mumbai Indians head coach Mahela Jayawardene has hoped that a key rule change in the Indian Premier League will help them in their crucial match against Delhi Capitals. Mumbai are competing against Delhi Capitals for the final playoffs place this season. However, rain might play spoilsport in Mumbai's incredible push for the final.With India entering the monsoon season, it is expected that several matches will be affected by rain from now on. The Indian Cricket Board, keeping this in mind, has extended the match time by one more hour. Jayawardene spoke about the same and hoped that teams will be able to play out their matches with the help of this rule."Obviously the weather has been threatening most of the games, and it's a decision that they've collectively taken. If it helps, it helps, but if you have serious rain, I don't know whether the extra hours are going to help," Mahela Jayawardene said in the pre-match press conference in Mumbai.

Mumbai Indians have once again staged an incredible comeback in the Indian Premier League. After losing the first four of their five matches, Mumbai went on a belligerent run, courtesy of a complete effort by the team. Jayawardene was asked about the team's ability to make comebacks and said that they were "always in contention" to make the playoffs.

The five-time IPL winners will need a win against Delhi Capitals in Mumbai on Wednesday to book the fourth and final spot in the playoffs, with Gujarat Titans, Royal Challengers Bengaluru, and Punjab Kings being the other three. However, a loss will mean MI will have to depend on the outcome of the contest between DC and PBKS on May 24.

"We were always in contention for playoffs after we had that run.

For us, it's good to start the tournament (again) and play cricket, the guys have been waiting for this, training has been pretty good and just take one game at a time," Jayawardene told the media.

"It's in our control, it's a great position to be here. The message from me for the boys was to make sure that we go through our routines, our processes, the way we train, the way we plan, and the way we've gone about this tournament."

"It's better to have it in our control than anyone else's and watch that situation, so we've played good cricket to deserve to be in that situation, and we'll go out and try and play our best game of cricket tomorrow," he added.Jayawardene confirmed that the team's England and South African players will be leaving in the next few days. While the English leave after the group stage, the South African stars will leave on May 26, the coach confirmed.

"The same is going to happen for most of those teams which have qualified already. They're going to be in the same situation so I haven't thought that far ahead," he said.

"We've obviously named the three guys that we're looking at to bring. Two of them (Richard Gleeson and Charith Asalanka) are already here. I think Jonny (Bairstow) will arrive tomorrow (Wednesday)," he concluded on the matter.

Manchester United vs Tottenham, UEFA Europa League final: All you need to know

Manchester United and Tottenham Hotspur are all set to square off in an exciting UEFA Europa League final in Bilbao on Wednesday, May 21. United and Spurs will be aiming to end a wretched 2024-25 campaign with some silverware.

New Delhi. Manchester United and Tottenham Hotspur march into Bilbao with their eyes firmly set on winning the UEFA Europa League on Wednesday, May 21. It has been season where both teams have failed to impress as the campaign has been filled with poor results and a dreadful run of form.

United find themselves 16th in the table with 39 points to their name, while Spurs are just a point and a place behind them in 17th. However, in Europe, both teams have looked strong with United being the only team unbeaten in European competitions till now. United's last win in the Premier League came in March, while Spurs tasted success six weeks ago.

However, in the Europa League, both teams have been able to produce magic and showcase their true potential. United staged an incredible comeback against Lyon in the quarterfinals and then blanked Athletic Bilbao in the semis to reach the final. Spurs thrashed Bodo/Glimt across two legs in the semis to make it to the final.

With the winner of the final being guaranteed a place in the Champions League final, there is everything to play for both sides as they look to salvage some pride in an otherwise wretched campaign this season.

Manchester United vs Tottenham Hotspur: Head-to-Head

United and Tottenham have faced each other 176 times with the Red Devils holding a 90-43 advantage. 43 games between both sides have ended in a draw. Incidentally, both teams have faced each other three times this season with Spurs winning all of them. Apart from completing a league double, Tottenham knocked United out of the League Cup as well.

Manchester United vs Tottenham Hotspur: Team news

For Manchester United, there was a triple injury boost just ahead of the final on Tuesday. Joshua Zirkzee, Leny Yoro and Diogo Dalot were able to train with the first-team ahead of the final. Zirkzee was initially thought to be ruled out for the season, but he was able to get back into the squad for the final in Bilbao on Wednesday.

MI vs DC, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Mumbai pitch conditions

New Delhi. Hardik Pandya's Mumbai Indians (MI) and Axar Patel's Delhi Capitals (DC) are all set to cross swords in Match No.63 of the Indian Premier League (IPL) 2025 on Wednesday, May 21 at the iconic Wankhede Stadium in Mumbai.For MI, the equation is straightforward as a win would make them the fourth and final team to qualify for the playoffs. DC, the only other team fighting for the last spot, are in a must-win position. A loss would knock them out of the competition.

Even if they win their next game, they will have to look at the result of MI's last game against Punjab Kings (PBKS) to ascertain their fate. MI are also at an advantage since their net run rate of +1.156 is far better than DC's +0.260.

Having won six out of their last seven matches, MI are in red-hot form. DC, on the other hand, looked amongst the first teams to secure a berth in the top four, but their campaign is in the doldrums after a string of defeats.

MI vs DC: Head-to-Head

Mumbai and Delhi have met 36 times since their first meeting in 2008. MI are leading them 20-16. At the Wankhede Stadium, MI have a 7-3 lead. But in their last five meetings, DC have a 3-2 lead.

MI vs DC: Team News

MI have recently signed Jonny Bairstow, Richard Gleeson and Charith Asalanka in place of Will Jacks, Ryan Rickelton and Corbin Bosch, who will all leave for national duties after the league stage.MI have had an impressive run of late, and it's unlikely that they will make a lot of changes to their playing XI. DC, on the other hand, can bring in young left-handed batter Sediqullah Atal in place of Faf du Plessis.

MI vs DC: Predicted Xis

MI

Ryan Rickelton (wk), Rohit Sharma, Will Jacks, Suryakumar Yadav, Tilak Varma, Hardik Pandya (c), Naman Dhir, Corbin Bosch, Deepak Chahar, Trent Boult, Jasprit Bumrah

Impact Player: Karn Sharma

DC

Faf du Plessis/Sediqullah Atal, Abishek Porel (wk), Sameer Rizvi, KL Rahul, Axar Patel (c), Tristan Stubbs, Ashutosh Sharma, Vipraj Nigam, Kuldeep Yadav, T Natarajan, Mustafizur Rahman, Dushmantha Chameera

Impact Player: Dushmantha Chameera

MI vs DC: Pitch and Weather Conditions

The pitch in Mumbai has been good for batting as the average from six matches thus far in IPL 2025 is 182. Chasing teams have won four out of six times.

Amidst rain threat in Mumbai, Parth Jindal wants MI vs DC clash moved out: Report

New Delhi. Amidst the rain threat in Mumbai, Delhi Capitals co-owner Parth Jindal has requested the IPL to move the game out of the city in order to maintain consistency. The game is considered to be a virtual knockout as MI and DC are vying for the final playoff spot in IPL 2025. However, rain is all set to play spoilsport on Wednesday May 21 after heavy rains hit the city on Tuesday evening.

The India Meteorological Department (IMD) has forecast more rain for the city and surrounding regions over the next few days, with a yellow alert being issued for the Mumbai Metropolitan Region (MMR), including Mumbai, Thane, and Kalyan-Dombivli through the week. This has forced Jindal to write to the IPL and make his request.

In an email, that was accessed by ESPNcricinfo, the DC co-owner pointed out that the "virtual quarter final is also expected to be washed out". Jindal's plea comes after the RCB vs SRH game was moved out of Bengaluru due to the incessant rain in the city. Jindal said it would be 'consistent' to move the MI vs DC game as well as there is a strong possibility of it being washed out.

"The forecast in Mumbai is for heavy rains and there is a strong likelihood that the game will be washed out," Jindal wrote. "Just as the game between RCB vs SRH has been moved out of Bengaluru in the quest for consistency and in the interest of the league it is my request that tomorrow's game also be moved to a different location as we have known for the better part of 6 days that the forecast for 21st in Mumbai is for heavy showers."

What happens if the MI vs DC game is washed out?

If the game on Wednesday is washed out, both teams will share a point each, heading into their final league games. This means that MI will have 15 points while DC will have 14. Both teams will face PBKS in their final games.

If the game in Mumbai does go on and if MI win, then they will qualify for the play-offs. However, if DC win, neither team will qualify and the fight for the spot will move into their final league game.

DC will face PBKS on May 24 while MI take on Punjab two days later. PBKS have already booked their place in the play-offs.

Mumbai weather report: Who qualifies for playoffs if MI vs DC gets washed out at Wankhede?

New Delhi. Mumbai's inclement weather is set to have a huge effect on the playoffs race in the Indian Premier League on Wednesday, May 21. With 80 per cent chances of rainfall on the matchday, it is possible that Mumbai Indians and Delhi Capitals, the only two teams who are vying for the final playoffs spot this season, have to share points.That puts both teams in a difficult place as they are nearly neck and neck in terms of points in the tournament. Mumbai Indians are slightly ahead of Delhi Capitals, with 14 points from 12 matches, while Delhi have 13 from 12 games.

This match was expected to be the decider between the two teams, but it might get a little trickier than that. If the match indeed gets washed out on Wednesday at Wankhede Stadium, then Delhi will not only have to win their next game, but also bank on Punjab Kings to beat Mumbai Indians in their final game of the season.

On the other hand, in the case of a washout on Wednesday, MI would have to win their final match vs PBKS to directly qualify for the final playoffs spot this season. Even if Delhi win their final match of the season vs PBKS by the biggest margin, they would not be able to catch MI.

What are the chances of rain in Mumbai?

Rains are going to lash out in Mumbai on Wednesday as monsoon hits India earlier than expected. At daytime, there are 80 per cent chances of rainfall in the city, but that reduces down to 50 per cent later in the evening. As the day goes on, the chances of a clear sky will improve, but then it will simply be a race against time — on if the groundsmen will be able to get the outfield ready and safe.

The Wankhede Stadium in Mumbai does not have as good a drainage system as the Chinnaswamy Stadium in Bengaluru and that might make things quite tricky on Wednesday.

Vaibhav Suryavanshi showed maturity and temperament under pressure: Vikram Rathour

IPL 2025: Vaibhav Suryavanshi drew praise from Rajasthan Royals batting coach Vikram Rathour after scoring a 33-ball 57 against the Chennai Super Kings on Tuesday.

New Delhi. Rajasthan Royals (RR) batting coach Vikram Rathour praised Vaibhav Suryavanshi for his "maturity and temperament" during Tuesday's IPL 2025 clash against five-time champions Chennai Super Kings (CSK) at the Arun Jaitley Stadium in New Delhi.Chasing 188 on a batting-friendly pitch, Suryavanshi had limited opportunities early on, facing just seven balls during the powerplay. However, once settled, he shifted gears confidently, reaching his half-century in just 27 deliveries.He eventually made 57 off 33 balls, hitting four fours and four sixes, before falling to R Ashwin. Suryavanshi also shared a 98-run stand with skipper Sanju Samson, setting the foundation for RR's convincing six-wicket victory."Very impressive. We've been working with him for quite some time now—maybe three to four months. We've seen all these aspects, but it's great to see him doing that in a game, especially under pressure," Rathour said in the post-match press conference."In a big game like today, the ball was moving when he went in. He hardly got any deliveries, wasn't on strike much during the powerplay. But the maturity and temperament he showed were excellent. These kinds of experiences will definitely help him become a better player over time," Rathour said.

'Vaibhav Suryavanshi is very unique'

Rathour revealed that the Royals' backend team had recommended Suryavanshi after the youngster impressed with a 104 off 62 balls for India U19 in a Youth Test against Australia last September at the MA Chidambaram Stadium.

"Yes, there's a team - a backend team - that monitors all the leagues, watches all kinds of cricket that people are playing. And they recommended him. Like, he scored that 100 against Australia in the U-19s, I think. So, the recommendation was made. And honestly, when I saw him for the first time, I was convinced.

"Just from that downswing of his bat - I think he's very, very unique. I haven't seen anything like that in a long, long time. And now he's showing that he has the temperament as well. He's going to be a very very special player," Rathour added.After becoming the youngest PL debut and the youngest T20 centurion, Vaibhav finished his campaign with 252 runs from seven matches at an average of 36 and a strike-rate of 206.55.

Bhumi Pednekar's

BTS Video From The Royals Is All About 'A Girl Living Her Life'

Bhumi Pednekar and Ishaan Khatter's starrer The Royals has been generating quite a buzz online since it was released. Although the romantic comedy show was released weeks back, the actors show no signs of slowing down sharing the behind-the-scenes (BTS) videos and appreciation posts for the co-stars. Speaking of which, the lead actress recently shared a montage video on her social media giving fans a glimpse of her fun time at the sets.

The Instagram video opens to show Bhumi standing by a pool wearing a stunning bikini and sarong. It then shifts to show the actress grooving with a team member, practising horse riding for a scene and smashing a chocolate bar with a hammer. Following this, she was again seen dancing. The video also captured moments of her enjoying the beautiful sunset at a beach, listening to a guitar tune and playing with a dog.

The entire video proves that she had enjoyed her heart out while shooting for the Netflix series. Sharing the video, Bhumi penned, "Just a girl living her life."Soon after the video surfaced online, fans and industry friends flocked to the comments section of the post to share their reactions.

Sister Samiksha Pednekar reacted, "Love love love." Rhea Chakraborty said, "What a girl." "STAR," Sumukhi Suresh posted. "Best girl, best vibe," wrote a user. Another commented, "You are beautiful, inside and out! Keep shining, @bhumipednekar." "Loved you in Royals. You look stunning. Waiting for the next season," said a user.Coming to The Royals, the Netflix series revolves around Aviraaj Singh (Ishaan Khatter), a modern-day prince, and Sophia Kanmani Shekhar (Bhumi Pednekar), the ambitious CEO of a luxury homestay startup. The rom-com show depicts how the two fell in love while transforming the struggling haveli of Morpur into a unique luxury B&B experience.

Priyanka Ghose and Nupur Asthana's directorial boasts a stellar ensemble, including veteran actress Zeenat Aman, Dino Morea, Sakshi Tanwar, Chunky Panday, Nora Fatehi, Milind Soman, Kavya Trehan, Vihaan Samat, Udit Arora, Sumukhi Suresh, Lisa Mishra, and Luke Kenny.Talking about Bhumi Pednekar's upcoming projects, the actress will be next seen in the web series Daldal. The show, which will be released on Prime Video, will feature her in the role of a cop. The filming of the series has already been completed, but the release date is yet to be announced. She also has Karan Johar's grand historical drama Takht in her pipeline. Originally announced in 2020 with a star-studded ensemble including Ranveer Singh, Alia Bhatt, Vicky Kaushal, Kareena Kapoor Khan, Janhvi Kapoor, and Anil Kapoor, the filmmaker recently announced that the film has been shelved for now but not cancelled.

Naomika Saran's

Casual Chic Look Proves Style Runs In The Family

Rajesh Khanna and Dimple Kapadia's granddaughter Naomika Saran has not made her entry into Bollywood, but still enjoys a huge fanbase on social media. The youngster has almost 1.75 lakhs on Instagram and constantly drops lovely glimpses from her life. Besides that, every time she steps out of her home, her glimpses grab the entire attention. Be it her fashion sense or humble nature, social media users never miss complimenting the girl.In a video posted on Instagram, Naomika Saran was papped outside her residence in Mumbai. She was seen exiting her home and walking towards her car parked on the other side of the road. During this time, when Rinkie Khanna's daughter was spotted by the paps stationed over there, she humbly waved her hands towards them and won many hearts.

For the casual day outing, Naomika opted for a pink camisole featuring thin straps and a deep neckline. She teamed it with a pair of comfy denim pants and white sneakers for utmost comfort during her movements. Subtle makeup with glossy lips added charm to her laid-back style. Meanwhile, she picked only a watch to accessorise her overall appearance. Additionally, a sleek ponytail wrapped up the look.

Soon after the video was posted, social media users began rallying in the comments section, complementing the diva's sweet appearance on the streets of Mumbai. One user wrote, "Preety preety." Another mentioned, "Beautiful face." Many others dropped appreciative emojis.

Who is Naomika Saran?

Daughter of Twinkle Khanna's sister, Rinkie Khanna, who played the lead role in films like Jis Desh Mein Ganga Rehta Hai, Yeh Hai Jalwa, Jhankar Beat and Chameli and her businessman husband, Sameer Saran. Talking about her educational background, the young girl has completed her schooling in Mumbai, followed by her graduation from St. Xavier's College in the same city before moving abroad. As per the latest reports, she has been pursuing her higher education at New York University's Tisch School of the Arts and came to Mumbai during semester breaks.Naomika also shares a lovely bond with her nani, Dimple Kapadia and proof of the same was found in one of her social media posts.

Dropping glimpses from her graduation ceremony on Instagram, she penned, "Graduated with my favourite people by my side." And the opening frame of her post featured the legendary actress Dimple. The duo was seen sharing a cosy hug, leaving their fans awestruck.

'BC Aunty' Snehil Mehra On YouTuber Jyoti Malhotra's Arrest: 'It Is Really Shameful'

Content creator and actress Snehil Mehra shared her views on the arrest of YouTuber Jyoti Malhotra after being accused of espionage. During an exclusive interaction with IANS, Snehil demanded that if found guilty, Jyoti should be severely punished for betraying her country.She told IANS, "When I learned about this, I found it to be really unbelievable- just like a plot of a Bollywood movie. But if the Indian Army has made such serious accusations against her, there must be some truth to it. And if these accusations turn out to be true after the investigation, then it is really shameful- the country in which you live, the people of which have made you a celebrity, if you work against that country, it will be considered treason. I believe she should be given a harsh punishment if proven guilty."

When asked if social media influences have been given too much freedom, she shared, "I belong to the film industry, and my years of experience say that we cannot shoot anywhere. If you wish to shoot a film, especially at a religious place like the Maha Kumbh or near a military base, then you need proper permissions. Similarly, I believe some regulations should be placed on the influencers, as the smartphones in our hands have turned everyone into an influencer."

"When the layer of permissions is imposed on these influencers, they will not be able to do such things. Just like censorship in the movies, there must be some rules and regulations in the world of social media," the actress added and stressed establishing accountability for such incidents.

Haryana YouTuber Jyoti Malhotra was recently arrested on charges of spying for Pakistan. Jyoti, who owns the YouTube channel "Travel with JO" was taken into custody on May 16. She will be questioned by the National Investigation Agency (NIA), the Intelligence Bureau (IB), and military intelligence officials.

Cannes 2025: Ishaan Khatter Brings The Charm And Maybe A Plus One?

Looks like Ishaan Khatter has got a plus one at the Cannes Film Festival 2025. Any guesses? The actor who flew to France to attend the premiere of his film Homebound at the film festival is joined by his rumoured girlfriend Chandni Bainz. What made us think so? Well, it's Chandni's latest post on social media. She shared a picture on Instagram stories, featuring a glimpse of the picturesque lane in France.There is also a building with the signboard saying, "Cannes Riviera." Sharing the picture, Chandni wrote, "Hello Hello."

Before Chandni shared the picture, Ishaan Khatter turned the streets of France into his runway ahead of his debut at the Cannes Film Festival 2025. The actor dropped multiple images of himself in a post on Instagram from his time at the festival. Channelling his inner model, he made fans swoon over him with his killer looks and we are not complaining here. In the cation, he wrote, "Bonjour festival de Cannes."

Ishaan Khatter is set to make his red carpet appearance at the Cannes Film Festival this year for the premiere of his movie, Homebound. Directed and penned by Neeraj Ghaywan, the film is the official selection of Cannes 2025 in the Un Certain Regard category. It is bankrolled by Karan Johar. In the film, Ishaan shares screen space with Janhvi Kapoor.Earlier, the actor also penned a long post, expressing his excitement for the film's achievement. In a touching post on Instagram, he wrote, "We're 'HOMEBOUND' to Cannes babyyyyyyy. A film that I knew was special from the moment it entered my life and my most challenging part yet. This is what dreams are made of. Pure intention, grit, compassion and truth. One of the proudest moments of my cinematic journey thus far."

As for Ishaan Khatter and Chandni Bainz's relationship, the duo has been reportedly dating for a year now. Speculations about their ongoing romance began in July 2024 when they made their first public appearance outside a restaurant in Mumbai. The rumoured lovebirds were seen stepping out of the eatery, holding hands, with Ishaan ensuring a safe passage for her towards their car.